bjpkamaljyoti@gmail.com / www.up.bjp.org

संवत 2078 युगाब्द 5123 कुल पृष्ठ –32 अंक – 15

वर्तमान

कमल ज्योति

अभिनन्दन - आभार!

₹10

जनता की जीत, लोकतंत्रा की जीतः मोदी

वर्तमान
कमल ज्योति

संरक्षक
श्री स्वतंत्र देव सिंह
सम्पादक
अरुण कान्त त्रिपाठी
प्रबन्ध सम्पादक
राजकुमार
प्रकाशक
प्रो0 श्याम नन्दन सिंह
पृष्ठ संयोजक
ओम प्रकाश पंडित

कार्यालय

कमल ज्योति, 7–विधानसभा मार्ग
लखनऊ – 1
फोन :– 0522–2200187
फैक्स :– 0522–2612437

Email- bjpkamaljyoti@gmail.com

पत्रिका में प्रकाशित आलेखों से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं

मुद्रक

नूतन ऑफसेट मुद्रण केन्द्र,
राजेन्द्र नगर, लखनऊ–4

नमोस्तुते

सम्पादकीय

''सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास'' मिला जन आर्शिवाद

देश के पांच राज्यों में चुनाव परिणाम ने तय कर दिया कि नये भारत का मतदाता विकासवाद की राजनीति पर मुहर लागया है। चार राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की सरकार सत्ता में बहुमत के साथ लौटी है। वैश्विक आपदा के दो वर्षों बाद चुनाव चुनौती पूर्ण रहा लेकिन भारतीय जनता पार्टी द्वारा ''एकात्ममानववाद'' के सिद्धान्त में अन्त्योदय का संकल्प ले राजनीति को सेवा का माध्यम मानकर जनसेवा करने वाली भाजपा निरन्तर अपना प्रभाव क्षेत्र बढ़ाती जा रही है। देश भर में क्षेत्रीय राजनीति करने वाले दल के तमाम नेता भाजपा को पटकनी देने के लिए अपनी ऐड़ी चोटी का जोर लाग रखे थे।

लेकिन इस चुनाव में राष्ट्रवाद, राष्ट्रीयता, राष्ट्रबोध की अलख जगाते हुए लोकप्रिय प्रधान सेवक नरेन्द्र मोदी जी ने कई मिथकों को तोड़ते हुए चार राज्यों में विजय श्री का आर्शिवाद प्राप्त किया।

मोदी–योगी सरकार को दो वर्षों से वैश्विक आपदा करोना से लड़ना पड़ा जिसमें ध्येय समर्पित भाजपा कार्यकर्ताओं ने सेवा के सभी कीर्तिमान तोड़ते हुए जन–जन की सेवा की। भारत से तिसरी लहर भी लौट गयी। इसी बीच किसान आन्दोलन, आवारा पशु समस्या, महंगाई, बेरोजगारी आदि समस्यायें आयी गयी क्योंकि भाजपा की नीति, नियति, नेतृत्व पर जनता का विश्वास जम गया है।

दूसरी तरफ देश प्रदेश में परिवारवादी, जातिवादी सम्प्रदायवादी दल अपने लोकलुभावने घोषणाओं के बल पर चुनाव में जनता को दिग्भ्रमित करने का प्रयास किया जिसे जनता ने एक सीरे से नकार दिया। भाजपा ने देव तुल्य कार्यकर्ताओं के परिश्रम, जनसेवा, गरीब कल्याण की योजना उज्जवला, गरीबों को घर, बीमारों को चिकित्सीय सुविधा, संकट काल में मुफ्त राशन, इनके लोक कल्याण ''अन्त्योदय'' की साक्षी रही प्रधान सेवक के नये भारत के निर्माण के संकल्प उसकी पूर्ति के लिए कठिन परिश्रम टीम भावना से राजनीति में सेवा कार्य भाजपा की विशेषता रही है। भारतीय जनता पार्टी को विपक्षी कहते हैं कि 24 घंटे, सातो दिन, बारहो महीने, 365 दिन जनसेवा करने वाले हमेशा चुनाव लड़ते हैं। इसमें भाजपा के सिद्धान्त, इसके साथ, समवैचारिक संगठनों का परिवार भाव, अद्‌भुत चुनाव प्रबन्धन, समर्पित कार्यकर्ताओं की विश्वासी टोली टीम भाव से काम किया। उत्तर प्रदेश चुनाव में भाजपा ने 104 विधायकों के टिकट बदले यानी 30 प्रतिशत टिकट बदले, नये चेहरो को प्राथमिकता दिया। जिसमें से 80 प्रतिशत जीत कर आये 48 महिला प्रत्यासियों को लड़ाये, जिसमें 29 महिला प्रत्यासी जीतकर आयी। इस चुनाव परिणाम से तय हुआ कि प्रदेश की जनता नेक, ईमानदार, राष्ट्रहितकारी, जनहितकारी राजनीति की समर्थक है। दूसरी तरफ आधी आबादी को मोदी–योगी जी के ऊपर अटूट विश्वास है। जिसके कारण 48 प्रतिशत महिलाओं का आर्शिवाद भाजपा को प्राप्त हुआ है। आइये नये भारत के निर्माण, सर्वोत्तम प्रदेश को बनाने में अपना योगदान दें।

akatri.t@gmail.com

भाजपा की नीति, नीयत, निर्णयों पर जन-जन का विश्वास बढ़ा है : नरेन्द्र मोदी

मैं इन चुनाव में हिस्सा लेने वाले सभी मतदाताओं को बधाई देता हूं। ये उत्सव भारत के लोकतंत्र के लिए है। हमारी माताओं, बहनों और युवाओं ने जिस तरह भारतीय जनता पार्टी को भरपूर समर्थन दिया है, वह अपने आप में बहुत बड़ा संकेत है। मुझे इस बात का भी संतोष है कि फर्स्ट टाइम वोटर्स ने बढ़–चढ़ कर मतदान में हिस्सा लिया और भाजपा की जीत पक्की की। चुनाव के दौरान भाजपा के कार्यकर्ताओं ने मुझसे वादा किया था कि इस बार होली 10 मार्च से ही शुरू हो जाएगी। हमारे कार्यकर्ताओं ने चारों प्रदेश में भाजपा का ये विजय ध्वज फहराकर इस वायदे को पूरा कर दिखाया है। मैं पार्टी के उन सभी कार्यकर्ताओं की भूरि–भूरि प्रशंसा करता हूं जिन्होंने दिन रात देखे बिना इन चुनावों में काम किया और जनता का विश्वास जीतने में सफल रहे। उत्तर प्रदेश में आज हमारे कार्यकर्ताओं ने जीत का चौका लगाया है। उत्तर प्रदेश ने देश को अनेक प्रधानमंत्री दिए थे लेकिन 5 साल का कार्यकाल पूरा करने वाले किसी मुख्यमंत्री के दोबारा चुने जाने का ये पहला उदाहरण है। अभी हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने विस्तार से बताया कि उत्तर प्रदेश में 37 साल बाद कोई सरकार लगातार दूसरी बार सत्ता में आई है। तीन राज्यों यूपी, गोवा और मणिपुर में सरकार में होने के बावजूद भाजपा के वोट शेयर में वृद्धि हुई है।

उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में भारतीय जनता पार्टी को मिली ऐतिहासिक विजय के पश्चात् पार्टी कार्यकर्ताओं के सैलाब को मोदी जी ने संबोधित किया और इस जीत को जनता की जीत बताया, लोकतंत्र की जीत बताया।

उत्तराखंड में भी भारतीय जनता पार्टी ने नया इतिहास रचा है। देवभूमि में पहली बार कोई पार्टी लगातार दूसरी बार सत्ता में आई है। सीमा से सटा एक पहाड़ी राज्य (उत्तराखंड), एक समुद्र तटीय राज्य (गोवा), एक मां गंगा का विशेष आशीर्वाद प्राप्त राज्य (उत्तर प्रदेश) और पूर्वोत्तर सीमा पर एक राज्य (मणिपुर) – भाजपा को चारों दिशाओं से आशीर्वाद मिला है। इन राज्यों की चुनौतियां भिन्न हैं। सबकी विकास की यात्रा का मार्ग भिन्न है लेकिन, एक सूत्र जो उभयनिष्ठ है, वह है – भाजपा पर विश्वास, भाजपा की नीति, भाजपा की नीयत और भाजपा के निर्णयों पर अपार विश्वास। ये नतीजे भाजपा की प्रो–पुअर, प्रो–एक्टिव गवर्नेंस पर एक प्रकार से बड़ी मुहर है।

हर गरीब तक सरकार की योजनाओं को सौ फीसदी तक पहुंचाने का हमने संकल्प लिया। जब ईमानदारी होती है, नीयत साफ होती है, गरीबों के लिए करुणा होती है, देश के कल्याण का मंत्र होता है तो ऐसी हिम्मत पैदा होती है।

आज मैं महिलाओं, बहन, बेटियों को विशेष रूप से नमन करता हूं। चुनाव में उनका बड़ा योगदान रहा है। ये हमारा सौभाग्य है कि भाजपा को बहनों, बेटियों और माताओं ने इतना स्नेह दिया, इतना आशीर्वाद मिला है। जहां–जहां महिला मतदाताओं ने पुरुषों के मुकाबले ज्यादा मतदान किया है, वहां भारतीय जनता पार्टी को बंपर जीत मिली है। हमारी माताएं, बहनें, बेटियां, स्त्री शक्ति भाजपा की जीत की साक्षी बनी हैं।

मैं सभी तथाकथित राजनीतिक पंडितों को कहता हूं कि देश की भलाई के लिए पुरानी घिसी–पिटी चीजें छोड़कर नई चीजें

सोचना शुरू कीजिए। इस देश के लिए बड़े दुख की बात है। मैं भी यह अनुभव करता था, जब ये ज्ञानी लोग यूपी की जनता को सिर्फ और सिर्फ जातिवाद के तराजू से तौलते थे और उसी दृष्टि से देखते थे। उत्तर प्रदेश के नागरिकों को जातिवाद की बाड़ेबंदी में बांधकर उन नागरिकों और उत्तर प्रदेश का अपमान करते थे। कुछ लोग यूपी को यह कहकर बदनाम करते हैं कि यूपी में जाति ही चलती है। 2019 के चुनाव नतीजों के बाद कुछ पॉलिटिकल ज्ञानियों ने कहा था कि 2019 की जीत में क्या है, ये तो 2017 में ही तय हो गई थी, क्योंकि 2017 में यूपी का रिजल्ट आया था। मैं मानता हूं कि इस बार भी ये ज्ञानी जरूर कहने की हिम्मत करेंगे कि 2022 के नतीजों ने 2024 के नतीजे तय कर दिए हैं। देश में जहां—जहां डबल इंजन की सरकार रही, वहां पर जनता के हितों की सुरक्षा हुई। ये चुनाव ऐसे समय में हुए हैं, जब पूरी दुनिया 100 साल की सबसे बड़ी कोरोना महामारी से लड़ रही है। युद्ध ने भी विश्व की चिंताएं बढ़ाई हैं। इन परिस्थितियों में दुनियाभर की सप्लाई चेन प्रभावित हुई हैं। जो युद्ध चल रहा है, उसका प्रभाव प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से दुनिया के हर देश पर पड़ रहा है। भारत शांति के पक्ष में है। बातचीत से हर समस्या को सुलझाने के पक्ष में है, जो देश सीधे जंग लड़ रहे हैं, भारत का उनसे आर्थिक, सुरक्षा, शिक्षा, राजनीतिक दृष्टि से नाता है। भारत की बहुत सारी जरूरतें इन देशों से जुड़ी हुई हैं। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य ने अपनी दूरदृष्टि का परिचय दिया है। भारत के मतदाताओं ने जिस तरह इन चुनावों में स्थिर सरकारों के लिए वोट दिया, वह इस बात का प्रतीक है कि लोकतंत्र भारतीयों की रगों में है। भाइयों और बहनों आज इस अवसर पर मैं देश के सामने अपनी कुछ चिंताएं भी रखना चाहता हूं। देश के नागरिक राष्ट्र निर्माण में जुटे हैं लेकिन हमारे यहां कुछ लोग लगातार राजनीति का स्तर गिराते जा रहे हैं। कोरोना के इस समय में भी हमने देखा है कि लोगों ने देशवासियों को गुमराह करने की लगातार कोशिश की है। वैक्सीनेशन के हमारे प्रयासों की दुनिया प्रशंसा कर रही है लेकिन इस पवित्र और मानवता के कार्य पर और भारत की वैक्सीन पर भी सवाल उठाए गए। जब यूक्रेन में हजारों भारतीय छात्र और नागरिक फंसे हुए थे, तब भी देश का मनोबल तोड़ने की बातें हो रही थीं। जो वहां फंसे थे, उनकी चिंता बढ़ाने का काम हो रहा था। ये लोग उन बच्चों में असुरक्षा की भावना बढ़ा रहे थे। इन लोगों ने ऑपरेशन गंगा को भी प्रदेशवाद की बेड़ियों में बांधने की कोशिश की। हर योजना, हर काम को क्षेत्रवाद, प्रदेशवाद, जातिवाद का रंग देने का प्रयास भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए चिंता का विषय है। इन चुनावों में मैंने लगातार विकास की बात की है। गरीबों को घर, गरीबों को राशन, वैक्सीन, आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर हर विषय पर भाजपा का विजन लोगों के सामने रखा है। मैंने जिस बात पर सबसे ज्यादा चिंता जताई थी, वो थी परिवारवाद। मैंने लोगों को बताया कि मैं परिवार के खिलाफ नहीं, किसी विशेष का विरोधी नहीं। कैसे परिवारवाद ने राज्य का कितना नुकसान किया है और राज्य को पीछे ले गए — इस बात को मतदाताओं ने समझते हुए भी इस चुनाव में अपना वोट दिया है। लोकतंत्र की ताकत को मजबूत किया है।

जिन मुद्दों को उठा रहा हूं, उस पर बहस होना जरूरी है। एक न एक दिन ऐसा आएगा, जब भारत में परिवारवादी राजनीति का सूर्यास्त नागरिक करके रहेंगे। इस चुनाव में देश के मतदाताओं ने अपनी सूझ—बूझ का परिचय दिखाते हुए, क्या होने वाला है, इसका इशारा कर दिया है।

मैं बनारस का सांसद हूं। यूपी के लोगों के प्यार और आशीर्वाद से मुझे भी यूपी वाला बना दिया। इतनी बड़ी भव्य विजय भारत के उज्ज्वल भविष्य की गारंटी है। मैं उज्ज्वल भविष्य के निर्णायक मतदान करने वाले मतदाताओं का अभिनंदन करता हूं।

मोदी जी ने राजनीति की संस्कृति को बदल दिया: नड्डा

भारतीय जनता पार्टी ने चार राज्यों में लोक तांत्रिक जीत के बाद दिल्ली की धन्यवाद सभा में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी ने आज गुरुवार को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में विधान सभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को मिली एकतरफा जीत के बाद पार्टी कार्यालय में स्वागत व अभिनंदन करने आये कार्यकर्ताओं के विशाल हुजूम को संबोधित किया और मोदी जी को जीत का महानायक बताते हुए चारों राज्य की महान जनता और परिश्रम की पराकाष्ठा करने वाले पार्टी कार्यकर्ताओं को जीत जीत के लिए आभार व्यक्त किया।।

श्री नड्डा ने कहा कि उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर के विधान सभा चुनाव के नतीजे एकतरफा भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में आये हैं।

उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर के विधान सभा चुनाव के नतीजे एकतरफा भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में आये हैं। मैं देश भर के करोड़ों पार्टी कार्यकर्ताओं की ओर से और अपनी ओर से आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का हार्दिक अभिनंदन और स्वागत करता हूँ।

देश भर जारी भाजपा की विजय यात्रा के क्रम में आज इतनी बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता अपने लोकप्रिय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का स्वागत एवं अभिनंदन करने आये हैं। मैं आप सबकी ओर से, देश भर के करोड़ों पार्टी कार्यकर्ताओं की ओर से और मैं अपनी ओर से आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का हार्दिक अभिनंदन करता हूँ, उनका हृदय की गहराइयों से स्वागत करता हूँ।

उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में जिस तरह से जनता ने एकजुट होकर भारतीय जनता पार्टी को प्रचंड बहुमत दिया है – यह दर्शाता है कि महान जनता ने श्री नरेन्द्र मोदी जी की गरीब कल्याण नीतियों, कार्यक्रमों एवं उनके निर्णयों पर मुहर लगाई है।

यूपी में पहली बार लगातार चार बार 2014 के लोक सभा चुनाव, 2017 के विधान सभा चुनाव, 2019 के लोक सभा चुनाव और आज 2022 के विधान सभा चुनाव के परिणाम में भाजपा को वहां की जनता ने अपना पूरा आशीर्वाद दिया है। यूपी में लगभग 37 साल बाद दोबारा किसी पार्टी की सरकार बनी है। हमारा वोट शेयर भी उत्तर प्रदेश में 39% से बढ़ कर 42% हुआ है।

उत्तराखंड बनने के बाद हर चुनाव में सरकार के बदलने का ट्रेंड रहा है लेकिन हमने इस बार माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में उत्तराखंड का चुनाव लड़ा और दोबारा लगभग दो–तिहाई

बहुमत के साथ देवभूमि की जनता के आशीर्वाद से भाजपा की पुनः सरकार बन रही है। मणिपुर में पहली बार भारतीय जनता पार्टी अपने दम पर पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बना रही है। गोवा में हम जीत की हैट्रिक लगा रहे हैं। कल असम में नगर पालिका चुनाव के भी परिणाम आये जिसमें भाजपा ने 80 में से 77 सीटों पर जीत हासिल की। इतना ही नहीं, असम की एक विधान सभा सीट पर हुए उप–चुनाव में भी भाजपा को बड़े मार्जिन से जीत प्राप्त हुई है। स्पष्ट है कि आदरणीय प्रधानमंत्री जी की नीतियों एवं उनके कार्यक्रमों को समग्र राष्ट्र की जनता ने अपना पूरा समर्थन दिया है।

चुनाव के दौरान एक बात बार–बार कहा गया कि कुछ पार्टियां भाजपा के खिलाफ एकजुट हो गई हैं, इससे उनका वोट बैंक जुड़ जाएगा जिससे उनकी सीटें काफी बढ़ेंगी और भाजपा की जीत आसान नहीं होगी। मैंने बार–बार कहा कि नेताओं के जुड़ने से वोट नहीं मिलते क्योंकि चुनाव मैथेमेटिक्स का नहीं, केमिस्ट्री का विषय है। देश के गाँव, गरीब, किसान, दलित, पीड़ित, शोषित, वंचित, पिछड़े, युवा एवं महिलायें आज सम्माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के साथ अपना जुड़ाव महसूस करती हैं, उनकी केमिस्ट्री माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के साथ जुड़ती हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश की राजनीति की संस्कृति को बदल कर रख दिया है। देश में लंबे समय तक एक तरह की राजनीति चल रही थी। वह राजनीति भाई–भतीजावाद, भ्रष्टाचार, सांप्रदायिकता, जातिवाद, परिवारवाद, क्षेत्रवाद पर केंद्रित थी। आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने देश के सियासी परिदृश्य को बदलते हुए विकासवाद और रिपोर्ट कार्ड की संस्कृति को प्रतिष्ठित किया है। माननीय प्रधानमंत्री जी ने गरीब कल्याण योजनाओं के माध्यम से देश के गाँव, गरीब, किसान, दलित, पीड़ित, शोषित, वंचित, पिछड़े, युवा एवं महिलाओं का सशक्तिकरण करने का काम किया है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पांच साल पहले गुंडाराज, माफियाराज, भ्रष्टाचार और आतंकवाद का बोलबाला था लेकिन भाजपा की डबल इंजन वाली योगी आदित्यनाथ सरकार ने उत्तर प्रदेश को भय मुक्त प्रदेश बनाया है। जो माफिया पहले दनदनाते घूमते रहते थे, वे आज जेल की हवा खा रहे हैं। जो भय का वातावरण बनाते थे, वे आज खुद भयभीत हैं।

मणिपुर में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने एक्ट ईस्ट पॉलिसी को लागू किया। उन्होंने विगत साढ़े सात वर्षों में लगभग 50 बार नॉर्थ–ईस्ट का दौरा किया है। इसका परिणाम मणिपुर में आज दिख रहा है। आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने काफी पहले ही कह दिया था कि अगला दशक उत्तराखंड का होगा। देवभूमि की महान जनता ने उनकी इस मुहिम को अपार समर्थन दिया है।

> **उत्तर प्रदेश में पांच साल पहले गुंडाराज, माफियाराज, भ्रष्टाचार और आतंकवाद का बोलबाला था लेकिन भाजपा की डबल इंजन वाली योगी आदित्यनाथ सरकार ने उत्तर प्रदेश को भय मुक्त प्रदेश बनाया है।**

माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि आज भारत ने कोरोना के खिलाफ जो निर्णायक बढ़त हासिल की है, वह आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के अथक प्रयासों से ही संभव हो पाया है। उन्होंने एक ओर वैक्सीन के माध्यम से 130 करोड़ देशवासियों को सुरक्षित किया तो दूसरी ओर उन्होंने स्वास्थ्य के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाते हुए गरीब कल्याण योजनाओं के माध्यम से देश के हर नागरिक के दो वक्त की रोटी की भी चिंता की। कोरोना काल के बाद भारत में आर्थिक विकास की जो रफ़्तार तेज हुई है, उसे पूरी दुनिया ने सराहा है और आज भारत दुनिया की सबसे तेज गति से विकास करने वाली अर्थव्यवस्था है।

2024 में हमें फिर से ऐतिहासिक विजय प्राप्त करनी है। मैं अपने कार्यकर्ताओं की राष्ट्रभक्ति को नमन करता हूँ और आपका आह्वान करते हुए कहना चाहता हूँ कि हम सबको मिल कर आगे बढ़ना है और आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत को यशस्वी बनाना है।

'चुनावी रण में विजयी रणनीति'

साधक राजकुमार

दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश भारत,आज़ादी के अमृत महोत्सव वर्ष में देश के पांच राज्यो में विधान सभा के चुनाव सकुशल बिना रक्तपात शांति पूर्वक सम्पन्न हुए । जिसे लोक तांत्रिक देश के लिये शुभ संकेत है। मोदी जी के कुशल मार्गदर्शन में नया भारत बढ़ रहा है । देश के सबसे बड़े प्रदेश उत्तर प्रदेश में भी चुनाव था। जिसका परिणाम कई भ्रांतियो को तोड़ते हुवे सकुशल संम्पन्न हुआ। सवा तीन दशकों का रिकार्ड है की कोई मुख्यमंत्री इधर के दिनों में अपनी सत्ता को लौटा नही पाया, इसको तोड़ते हुये योगी जी ने पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का 273 विधायको का समर्थन प्राप्त किया है।प्रदेश में सक्रिय क्षेत्रीय दल सपा, बसपा,कांग्रेस आदि दलों की लड़ाई में सर्वाधिक नुकसान राष्ट्रीय दल कांग्रेस को हुआ है। भारतीय राजनीति में कांग्रेस संस्कृति भ्ष्ट्राचार, अराजकता की पर्याय बन गयी थी। तब देश भर में 2014 में मोदी जी ने कांग्रेस मुक्त भारत का नारा दिया था जो क्रमशः पूरा होता जा रहा है। कांग्रेस भारतीय राजनीति में सिमटी जा रही है।आज कांग्रेस पांच ही राज्यों में सिमटकर रह गई है और भाजपा का परचम कई राज्यों में लहरा रहा है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजों ने कांग्रेस को कमजोर किया है और भाजपा को और अधिक मजबूत। इस चुनाव में कांग्रेस पंजाब में भी सत्ता गंवा बैठी। उसे गोवा, मणिपुर और उत्तराखंड में एंटी इंकम्बेंसी के सहारे वापसी की उम्मीद थी, लेकिन यहां भी भाजपा ने उसे बुरी तरह परास्त किया है।उत्तर प्रदेश में प्रियंका गांधी वाड्रा का "लड़की हूं, लड़ सकती हूं" अभियान काम नहीं आया। सरकार बनाने का दावा करने वाली कांग्रेस महज दो सीटों पर ही सिमट गई। गोवा, मणिपुर और उत्तराखंड में वह मुकाबले में भी नहीं आ पाई। इसके उलट भाजपा ने सत्ता विरोधी लहर के बावजूद यूपी, मणिपुर और उत्तराखंड में जबरदस्त वापसी करते हुए अपने ही दम पर सरकार बना ली। आज कांग्रेस चौतरफा घिरी है। विरोधियों ही नहीं, अपनों के सवालों से भी जूझ रही है। पार्टी के भीतर बने जी–23 गुट ने हमले तेज कर दिए हैं। सोनिया गांधी पर दबाव बढ़ गया है। कई युवा नेता पहले ही पार्टी का साथ छोड़ चुके हैं और पुराने दिग्गज खफा बैठे हैं। विपक्ष कांग्रेस की खिल्ली उड़ा रहा है। उत्तर प्रदेश में भाजपा ने अपने मजबूत संगठन, नीति ,नेतृत्व, सक्रियता से चुनाव के पहले कई नेताओं के सपा में जाने के बाद पूर्ण बहुमत से पुनर्वापसी किया है।भाजपा ने अपना वोट प्रतिशत बढ़ाते हुए 44% मत प्राप्त किया। दूसरी तरफ सपा गठजोड़ परिवार वाद,

दबंगई, क्षेत्रीयता,जातीयता को जनता ने नकार दिया। भाजपा ने ध्येय समर्पित कार्यकर्ताओ के बलपर इस चुनाव को लड़ा संगठनात्मक स्तर पर आधुनिक तकनीकी का उपयोग, सामाजिक इंजीनियरिंग का सहारा, गरीब कल्याण की लाभार्थी योजनाएं,, क्षेत्र में विश्वास खो चुके टिकटों में बदलाव,माइक्रोलेवल बूथ मैनेजमेंट, नये चेहरों को मैदान में उतारा। इसके साथ ही विस्तारक,प्रवासी ,महिला कार्यकर्ताओं का प्रधावी सदुपयोग किया ,एक तरफ मा. नरेंद्र मोदी, राजनाथसिंह, जगत प्रकाश नड्डा, नितिन गडकरी, धर्मेन्द्र प्रधान, राधामोहन सिंह,अनुराग सिंह जैसे राजनीति के महारथियों को लगा रखा था। क्षेत्रों के रचना में प्रभारी,सह प्रभारी कई महीनों से निरंतर प्रवास,बैठक,संपर्क कर रहे थे। पन्ना प्रमुख तक कि रचना काम सम्पर्क के लिये कार्यकर्ताओं की सभा,रोड शो,सम्पर्क में व्यस्त है तो पर चुनाव प्रबन्धन की टीम टीम के नेतृत्व में अनवरत अहर्निश थी। इनके लिये दिनरात एक साथ ही सबका साथ,सबका प्रयास का संकल्प, "अंत्योदय" संघर्ष की राह आसान किया। चुनाव प्रबन्ध बिना सामने आये रहे।दूसरी तरफ आपस मे गुटबाजी बड़े बड़े बयान देते रहे ।अहंकार में करते रहे। जिसका परिणाम जनता भाजपा को महिला युवाओं, का सीटों पर 8से9% तक अल्पसंख्यक देश प्रदेश की सुरक्षा, संवृद्धि, मोदी योगी की डबल इंजन की देकर **"भव्य भारत"** नया भारत

दलवार परिणाम की स्थिति

उत्तर प्रदेश परिणाम स्थिति			
403 निर्वाचन क्षेत्रों में से 403 की ज्ञात स्थिति			
दल का नाम	विजयी	आगे	कुल
भारतीय जनता पार्टी	255	0	255
अपना दल (सोनेलाल)	12	0	12
निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल	6	0	6
इंडियन नेशनल काँग्रेस	2	0	2
जनसत्ता दल लोकतांत्रिक	2	0	2
बहुजन समाज पार्टी	1	0	1
राष्ट्रीय लोक दल	8	0	8
समाजवादी पार्टी	111	0	111
सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी	6	0	6
कुल	403	0	403

कर रही ही, प्रत्येक लाभार्थी से टोली सक्रिय थी। नेता दिनभर दूसरी तरफ,प्रदेश क्षेत्र कार्यालयों संगठन महामंत्री सुनील बंसल जी मॉनिटरिंग, अनुवर्तन करती रहती समान था।नीति, नियति, नेतृत्व के विकास, सबका विश्वास, सबका लक्ष्य प्रण पथ ने इस राजनैतिक सोशल मीडिया, आई टी सेल, निरन्तर चुनाव की दिशा बदलते में फंसे विपक्षी दल के नेता केवल शासन प्रशासन पर दोषारोपण ने उन्हें वोट के रूप में दिया। भरपूर समर्थन मिला वही अनेक वोट भी मिले। ये चुनाव परिणाम सुराज की दिशा का पाथेय है। सरकार को लोगों ने जन आशीर्वाद बनाने के संकल्प को दुहराया है।

"भारत समर्थ–यूपी सशक्त"

–नरेन्द्र मोदी

भाजपा की जीत का परचम पश्चिम से लहराना शुरू हुआ है जो पूरब में और प्रचंड हो चुका है। पश्चिम से पूरब तक यूपी की जनता ने घोर परिवारवाद को नकार दिया है। उत्तर प्रदेश की जनता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यूपी की गाड़ी अब जाति–पाति की गलियों में अटकने वाली नहीं है। उत्तर प्रदेश ने विकास के हाइवे पर रफ्तार भर ली है।

जनता का आर्शिवाद भाजपा को पुनः मिला है। सीमा पर शांत क्षेत्र हो या चुनौती भरा वाला। जितना ज्यादा देश का सामर्थ्य, उतना ही सीमावर्ती क्षेत्र में रहने वाला सुरक्षित। दुनिया इस समय बहुत सी चुनौतियों से गुजर रही है। अमीर हो, गरीब हो, किसान हो या मजदूर। दुनिया के हर नागरिक पर इसका असर पड़ता है। भारत का ताकतवर होना इस वक्त सबसे बड़ी जरूरत है। घोर परिवारवादी कभी भी भारत को समर्थ नहीं बना सकते, यूपी को सशक्त नहीं बना सकते। खेती से लेकर अंतरिक्ष तक भारत को मजबूत करने की जरूरत है। इस बार आपका वोट समर्थ देश, सशक्त उत्तर प्रदेश के लिए है। ये परिवारवादी भारत को ताकतवर नहीं देखना चाहते हैं। कोई न कोई रोड़े अटकाना चाहते हैं। भारत के आत्मविश्वास पर, हमारी आत्मनिर्भरता पर हमला करने वालों को उत्तर प्रदेश कभी भी माफ नहीं करता है।

घोर परिवारवादियों ने महाराजगंज, बलिया और पूर्वांचल को विकास से जान–बूझ कर वंचित रखा है। इस क्षेत्र में कोई मूलभूत सुविधाएं, कोई इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं बनने दिया। पूर्वांचल की सड़कों को नहीं बनाया। इन लोगों ने चीनी मिल बंद की। किसानों की हालत बदतर होती गई है। आज पूरा भारत विकास की राह पर चल पड़ा है जिससे इन घोर परिवारवादियों की नींद हराम हो गई है। इस बजट में इस जिले में सीमा से सटे हुए आखिरी गांवों के विकास के लिए विशेष वायब्रेंट विलेज योजना बनाई है। केवल वादे नहीं किए, बजट में पैसा भी दिया है।

खेती से लेकर अंतरिक्ष तक भारत को मजबूत करने की जरूरत है, देश को आत्मनिर्भर बनाने की जरूरत है। इस बार आपका वोट समर्थ भारत, सशक्त उत्तर प्रदेश के लिए है। घोर परिवारवादियों को पटखनी देनी है। जो विकास के रोड़े अटकाते हैं, उन्हें सरकार में मत लाना।

घोर परिववारवादी जब सत्ता में आते हैं तो भ्रष्टाचार के जरिए अकूत संपत्ति कमाते हैं। परिवार वालों के लिए नोटों के ढेर लगा देते हैं। परिवारवादियों को बुरा लगता है कि पूर्वांचल कैसे आगे बढ़ रहा है। इन घोर परिवारवादियों से सावधान रहना है। जिन जिलों को घोर परिवारवादियों ने जितना पीछे धकेला, उनके विकास के लिए हम उतनी ज्यादा मेहनत कर रहे हैं। जो उन्हें करना चाहिए था, वह भी हम कर रहे हैं। नेपाल सीमा पर सड़कों का जाल बिछ रहा है। महाराजगंज में सड़कें भी बन रही हैं। कुशीनगर में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बना है। इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। यहां पूरी दुनिया से श्रद्धालु आएंगे तो सभी को इसका लाभ मिलेगा। इस बजट में इस जिले में सीमा से सटे हुए आखिरी गांवों के विकास के लिए विशेष योजना बनाई है।

आज हम गरीब के लिए यूपी के हर जिले में मेडिकल कालेज बनवा रहे हैं, आधुनिक अस्पताल खुलवा रहे हैं।

बेहतर इलाज के लिए आयुष्मान भारत कार्ड दे रहे हैं। हमने गरीबों के लिए सड़क बनाई है, एक्सप्रेस ट्रेनें चलाई हैं, किसान एक्सप्रेस चलाई है। जब बच्चा मां के गर्भ में होता है, तो वो कुपोषण का शिकार न हो इसके लिए हमारी सरकार गर्भवती माताओं के लिए मातृ वंदना योजना चला रही है। इस योजना के अंतर्गत गर्भवती माताओं के खातों में सीधे 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक ट्रांसफर किये गए हैं। गरीब छात्रों के लिए छात्रवृत्ति बढ़ाई गई है। हमारी सरकार ने पूरा ध्यान दिया है। कौशल विकास योजना से ट्रेनिंग दी जा रही है। गांव व गरीब के युवाओं को बिना गारंटी बैंक से मदद देने का काम किया है। मुद्रा योजना का लाभ गरीब बेटियों को अधिक मिला है। गरीब के पास पक्का घर हो, इसके लिए पीएम आवास योजना शुरू की है। यूपी में 34 लाख पक्के घर गरीबों को बनाकर दिए गए हैं। सरकार ने हर जिले में जन औषधि की दुकान खोली है, ताकि गरीबों को सस्ते दर पर दवाएं मिल सके।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश मे किसानों की बात करने वाले बहुत हो गए हैं लेकिन छोटे किसानों की बात कोई नहीं करता है। मैं आपकी सेवा करता रहूंगा, मैं आपका विकास करता रहूंगा। हम यह नहीं देखते कि कौन किस जाति का है, बिना किसी भेदभाव के सबको उनका हक दिया जाता है। हमें देश के हर गरीब की चिंता है। 60 साल की आयु के बाद मजदूरों, किसानों, छोटे दुकानदारों सबकों 3,000 रुपये मासिक पेंशन मिले, इसके लिए भाजपा सरकार ने अनेक योजनाएं शुरू की है। मैं ये योजनाएं इसलिए कर पा रहा हूं क्योंकि यहां योगी जी की डबल इंजन की सरकार है। मैं दिल्ली से जो भेजता हूं, वो इसमें रोड़े नहीं अटकाते और उन योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थियों तक पहुंचता है।

श्री मोदी ने कहा कि इस कोरोना कालखंड में मेरे किसी गरीब परिवार के घर में कोई भूखा नहीं सोना चाहिए, इसलिए हमनें उत्तर प्रदेश में 15 करोड़ गरीबों को राशन देकर, उनको इस मुसीबत से बचाने के लिए सेवाभाव और कर्त्तव्य भाव से काम किया है। आज वैक्सीन यूपी के करोड़ों लोगों का जीवन बचा रही है। टीका के लिए किसी को कोई पैसा नहीं देना पड़ा। 100 साल की सबसे बड़ी मुसीबत कोरोना ने पूरी दुनिया को 2 साल से अपनी चपेट में लिया हुआ है लेकिन ये परिवारवादी आपकी मदद करने की जगह अपने घर में घुसकर बैठ गए, अपने आप को बचाते रहे। वहीं भाजपा कार्यकर्ता घर–घर जाकर लोगों की मदद करते रहे। इस कोरोना काल में देश ने देखा है कि कैसे इन परिवारवादियों ने भारत के आत्मविश्वास को चोट पहुंचाने की कोई कोशिश नहीं छोड़ी। आज दुनिया के कई देश वैक्सीन लगाने में भारत से पीछे हैं। आज भारत पौने दो सौ करोड़ डोज मुफ्त लगा चुका है। यह आत्मनिर्भर भारत की ताकत है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बलिया से मेरा एक भावुक रिश्ता ये भी है कि यहीं पर माताओं बहनों की जिंदगी बदलने वाली उज्ज्वला योजना की शुरुआत हुई थी। आज देश में 9 करोड़ से ज्यादा महिलाओं को जो मुफ्त गैस कनेक्शन मिला है, उसकी दिशा यहीं हमारे बलिया ने देश को दिखाई थी। बलिया के हमारे व्यापारी और कारोबारी भूल नहीं सकते कि कैसे उनका पैसा गुंडे और बदमाश छीनकर ले जाते थे। योगी जी की सरकार में आज बलिया का व्यापारी सुरक्षित हो रहा है, यहां की बहनों बेटियों को घर से निकलने में गुंडे, बदमाशों का डर नहीं है।

सोनभद्र और गाजीपुर

उत्तर प्रदेश के सोनभद्र और गाजीपुर में आयोजित विशाल जन–सभाओं को संबोधित किया और उत्तर प्रदेश की जनता से विकास और सुशासन के प्रतीक भारतीय जनता पार्टी की योगी आदित्यनाथ सरकार को एक बार पुनः प्रचंड बहुमत से बनाने का आह्वान किया।

श्री मोदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एवं भाजपा–नीत एनडीए के पक्ष में इस अपार जन–समर्थन ने उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव के नतीजे तय कर दिए हैं। अपना दल हो, निषाद पार्टी हो या भाजपा – उत्तर प्रदेश में मैं जहां–जहां गया हूं, इस गठबंधन के लिए एक भारी समर्थन, उत्साह और उमंग दिखाई दे रहा है। पांच चरणों में भारतीय जनता पार्टी यूपी में अपना परचम लहरा चुकी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज दुनिया में जो हालात बनें हैं, वो सब लोग देख रहे हैं। ये भारत का बढ़ता सामर्थ्य ही है कि हम यूक्रेन में फंसे हमारे देश के नागरिकों को वहां से सुरक्षित निकालने के लिए इतना बड़ा अभियान चला रहे हैं। ऑपरेशन गंगा के तहत कई हजार नागरिकों को वहां से देश वापस लाया जा चुका है। इस मिशन को गति देने के लिए भारत ने अपने 4 मंत्रियों को भी वहां पर भेज दिया है। संकट में फंसे भारतीयों को ज्यादा तेजी से निकालने के लिए हमारी सेना और वायुसेना को भी लगा दिया गया है। मैं आज देश के लोगों को ये भी विश्वास दिलाता हूं कि भारत सरकार अपने नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए कोई कोर–कसर बाकी नहीं छोड़ेगी।

श्री मोदी ने कहा कि बदलते समय में भारत को और ज्यादा ताकतवर बनना ही होगा। भारत तभी ताकतवर बनेगा, जब दूसरे देशों पर भारत की निर्भरता कम से कम होगी। जो लोग आत्मनिर्भर भारत अभियान का मजाक उड़ाते हों, जो भारत की सेनाओं के अपमान करते हों, जो भारत के उद्यमियों की मेहनत से चल रहे मेक इन इंडिया अभियान का मखौल उड़ाते हों, वो घोर परिवारवादी लोग भारत को कभी ताकतवर नहीं बना सकते। इन घोर परिवारवादियों ने कदम कदम पर भारत का अपमान करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। ये अपमान यूपी के लोगों का अपमान है।

यह समय पूरी दुनिया के लिए आए दिन गंभीर चुनौतियों को लेकर है। इसलिए आपका वोट इन चुनौतियों से निपटने के लिए भारत को मजबूत बना रहा है। चाहे कितनी ही समृद्धि हो लेकिन जहां मान–सम्मान और जीवन खतरे में होगा, वहां विकास संभव नहीं होता।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का बड़ा लाभ भी इन क्षेत्रों के किसानों को मिला है। अकेले सोनभद्र जिले में 2 लाख से अधिक किसानों के खातों में 350 करोड़ रुपये से भी अधिक की रकम जमा हो चुकी है। हमारी सरकार छोटे किसानों की जरुरतों पर भी ध्यान दे रही है। आज गाजीपुर के 5 लाख से अधिक किसानों के बैंक खातों में पीएम किसान सम्मान निधि के तहत करीब 850 करोड़ रुपये जमा किये गए हैं।

इन घनघोर परिवारवादियों के राज में क्या कुछ नहीं हुआ! इन घोर परिवारवादियों ने हमारे दलित भाई बहनों की बस्तियां जलाई थी। गाजीपुर के लोग वो दौर भी नहीं भूले जब हमारे एक होनहार साथी कृष्णानंद राय जी को गोलियों से छलनी कर दिया गया था। दंगों के दौरान खुली जीप में घूमने वाले आज घुटनों पर हैं। पहले की सरकारों के समय जो दहशत थी, उसकी जगह अब गरीबों के कल्याण ने ले ली है। गाजीपुर को उन परिस्थितियों से निकालकर योगी शासन में गाजीपुर के विकास को प्राथमिकता दी गई है। गाजीपुर का विकास सरकार की प्राथमिकता थी और इसे करके रहेंगे। आपकी बहुत बड़ी समस्या कनेक्टिविटी की थी। इस पर विशेष ध्यान दे रहे हैं आपको याद होगा ताड़ीघाट पुल की मांग छह दशक से थी। हमारी सरकार ने इसे पूरा किया।

धारा 370 हटाने के विरोधी - सपा, बसपा, कॉंग्रेस

– अमित शाह

इस बार का यूपी विधान सभा चुनाव किसानों की भलाई, महिलाओं की सुरक्षा, माफियाओं के खिलाफ लड़ाई को और तेज करने, युवाओं को रोजगार देने और यूपी को देश का नंबर वन राज्य बनाने का चुनाव है।

सपा और बसपा की सरकारों ने यूपी को जातिवाद में बांध कर रखा था। सपा की सरकार आती थी तो एक जाति और एक धर्म के लिए काम करती थी और बसपा की सरकार आती थी तो दूसरी जाति और एक धर्म का विकास होता था। भाजपा की डबल इंजन की सरकार में सबका साथ, सबका विकास हो रहा है। सपा, बसपा और कांग्रेस की सरकारें गरीबों के नाम की राजनीति करती थी लेकिन गरीबों की भलाई के लिए कोई काम नहीं करती थी उल्टे गरीबी को बढ़ाती थी। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने पिछले सात वर्षों में देश के 60 करोड़ लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाया है। उन्होंने देश के गाँव, गरीब, किसान, दलित, पीड़ित, शोषित, वंचित, युवा और महिलाओं को ताकत दी। सपा और बसपा की सरकार में में उत्तर प्रदेश डकैती, हत्या, लूट अपहरण और बलात्कार में नम्बर वन था लेकिन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में डबल इंजन वाली योगी सरकार में यूपी गेहूं, आलू, चीनी, दूध, आंवला और हरी मटर के उत्पादन में नंबर वन है। अखिलेश यादव एक ऐसा चश्मा पहनते हैं जिसके एक ग्लास से उनको एक ही जाति और दूसरी ग्लास से एक ही धर्म दिखाई देता है। उस चश्में से उन्हें यूपी की जनता नहीं, बस एक जाति, एक धर्म और अपने परिवार के लोग ही दिखाई देते हैं। जब उन्हें यूपी की जनता दिखती ही नहीं तो वे यूपी का विकास कैसे करेंगे!

अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री बनते ही गोरखपुर, अयोध्या, वाराणसी और लखनऊ में हुए सीरियल बम ब्लास्ट और संकट मोचन मंदिर पर हुए आतंकी हमला करने वाले उन आतंकियों पर से केस वापस लेने का पाप किया था जिस को सुनवाई के बाद कोर्ट से फांसी और उम्र कैद तक की सजा मिली। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में योगी आदित्यनाथ सरकार ने प्रदेश से अपराधियों और माफियाओं का सफाया कर दिया है। जो एक–दो रह गए हैं, उनका भी सफाया अगली भाजपा सरकार में पूरी तरह से हो जाएगा। आज मुख्तार अंसारी, अतीक अहमद और आजम खान जैसे माफिया जेल की सलाखों के पीछे हैं लेकिन गलती से भी यदि अखिलेश यादव की सरकार आ गई तो यूपी में फिर से इनका तांडव होगा और गरीबों की परेशानियां बढ़ेंगी। सपा–बसपा की सरकार में माफियाओं ने सरकार की लगभग 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति पर अवैध कब्जा जमा लिया था। आज योगी सरकार में जमीनें माफियाओं के चंगुल से मुक्त हुई हैं और उस जमीन पर अब गरीबों के लिए आवास बन रहे हैं। ये योगी आदित्यनाथ सरकार के सुशासन का परिणाम है कि पिछले पांच वर्षों में यूपी में अखिलेश यादव सरकार

> **माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में भाजपा की योगी आदित्यनाथ सरकार ने उत्तर प्रदेश में विकास के एक्सप्रेस–वे और कॉरिडोर बनाए हैं।**

की तुलना में डकैती में 72%, लूट में 62%, हत्या में 31%, अपहरण में 29% और बलात्कार के मामलों में 52% की कमी आई है। डबल इंजन की सरकार ने यूपी में ऐसी कानून–व्यवस्था बनाई है कि हर व्यक्ति शांति से अपने घर में रह सके। मेरा यह स्पष्ट मानना है कि किसी भी प्रदेश में निवेश तभी आ सकता है, जब उसकी कानून–व्यवस्था सुदृढ़ हो और रोजगार के अवसर भी तभी बनते हैं जब निवेश आये। हमारी सरकार यूपी में लगभग 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित करने के लिए काम करेगी।

भाजपा के संकल्प पत्र में किये गए वादों पुनः बनने पर माताओं–बहनों को हर होली और दिवाली में एक–एक गैस सिलिंडर मुफ्त दिए जायेंगे। हमारी डबल इंजन वाली सरकार हर बारहवीं पास छात्रा को मुफ्त स्कूटी देगी और इंटर में एडमिशन लेने वाले सभी छात्र–छात्राओं को लैपटॉप या टैबलेट प्रदान करेगी। हमारी सरकार आने पर किसानों को सिंचाई हेतु कोई भी बिजली बिल नहीं देना होगा। एक जमाना था जब उत्तर प्रदेश में ईद–रमजान के अवसर पर तो चौबीस घंटे बिजली आती थी लेकिन रामनवमी, होली और दिवाली में बिजली गुल हो जाती थी। सपा की सरकार ने तो बिजली का भी धर्म निर्धारित कर दिया था।

श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में भाजपा की योगी आदित्यनाथ सरकार ने उत्तर प्रदेश में विकास के एक्सप्रेस–वे और कॉरिडोर बनाए हैं। हमारी सरकार ने यूपी में लगभग ढाई करोड़ शौचालयों का निर्माण करवाया, 42 लाख गरीबों के आवास बनाए, लाखों घरों में मुफ्त बिजली पहुंचाई गई और यूपी के लगभग ढाई करोड़ किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ देने का कार्य किया है। कोरोना के कालखंड में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने सबसे अधिक चिंता देश के गरीबों की की ताकि उन्हें भूखा न सोना पड़े। पिछले दो वर्षों से देश के 80 करोड़ लोगों और यूपी के लगभग 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन उप्लसब्ध कराया जा रहा है। इतना ही नहीं, श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने पहली और दूसरी कोविड लहर में गरीब महिलाओं को तीन–तीन गैस सिलिंडर मुफ्त दिए, महिला जन–धन खाता धारकों के एकाउंट में तीन किस्तों में 1,500 रुपये की आर्थिक सहायता दी गई और महिला सेल्फ–हेल्प ग्रुप्स का सशक्तिकरण किया गया।

धारा 370 को हटाने का विरोध सपा, बसपा और कांग्रेस – तीनों ने किया था। अखिलेश यादव ने तो धमकी भी दी थी कि यदि धारा 370 हटा तो खून की नदियाँ बहेगी। अखिलेश यादव जी, हम देश की भलाई के लिए और देश की एकता व अखंड्ता के लिए कोई भी कदम उठाने से नहीं डरते।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि जब माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी मेड इन इंडिया वैक्सीन के निर्माण को प्रेरित कर रहे थे और दुनिया के सबसे बड़े वैक्सीनेशन अभियान की शुरुआत कर रहे थे, तब अखिलेश यादव वैक्सीन का मजाक उड़ा रहे थे और यूपी की जनता को गुमराह कर रहे थे। अगर यूपी की जनता उनके दुष्प्रचार में आ जाती तो क्या आज तीसरी लहर में हम सुरक्षित रह पाते? अखिलेश यादव ने न केवल यूपी की जनता को धोखा दिया बल्कि यूपी की जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ भी किया।

धारा 370 को हटाने का विरोध सपा, बसपा और कांग्रेस – तीनों ने किया था। अखिलेश यादव ने तो धमकी भी दी थी कि यदि धारा 370 हटा तो खून की नदियाँ बहेगी। अखिलेश यादव जी, हम देश की भलाई के लिए और देश की एकता व अखंडता के लिए कोई भी कदम उठाने से नहीं डरते। ये माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी हैं जिन्होंने धारा 370 को ख़त्म कर सही मायनों में जम्मू–कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाया। माननीय प्रधानमंत्री जी की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति के बल पर हमारे वीर जवानों ने आतंकवाद पर सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक किया। ये हमारे प्रधानमंत्री जी हैं जिन्होंने अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का शिलान्यास किया, ट्रिपल तलाक को ख़त्म किया और वाराणसी में काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर का शिलान्यास किया।

ये आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी हैं जिन्होंने अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का शिलान्यास किया, बाबा काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर का लोकार्पण किया, ट्रिपल तलाक को खत्म किया, धारा 370 को ख़त्म किया और आतंकवादियों पर सर्जिकल स्ट्राइक व एयर स्ट्राइक किया।

पूर्वांचल को विकसित करने के लिए कई योजनाओं को जमीन पर क्रियान्वयित किया है। पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस–वे बनाया जा रहा है। संत कबीर नगर में मेडिकल कॉलेज बनाया गया है। अपराधियों पर नकेल कसने के लिए जेल भी इस क्षेत्र में बनाया गया है।

अभिनन्दन.. आभार.. धन्यवाद...

जनता पार्टी

''विजयी भव'' का जन आर्शिवाद

उत्तर प्रदेश 18वीं विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी अपने सहयोगी दल, अपना दल (एस) एवं निषाद पार्टी के प्रत्याशियों ने राष्ट्रवाद, विकास वाद, पर विजय श्री प्राप्त कर, जनसेवा का आर्शिवाद प्राप्त किया है।

विधानसभा	विधायक का नाम	विधानसभा	विधायक का नाम
मुजफ्फरनगर	श्री कपिलदेव अग्रवाल	खुर्जा(सु.)	श्रीमती मीनाक्षी सिंह
खतौली	श्री विक्रम सैनी	खैर(सु.)	श्री अनूप प्रधान वाल्मीकि
हस्तिनापुर(सु.)	श्री दिनेश खटिक	बरौली	ठा0 जयवीर सिंह
मेरठ कैन्टोनमेंट	श्री अमित अग्रवाल	अतरौली	श्री सन्दीप सिंह
मेरठ दक्षिण	श्री सोमेन्द्र तोमर	छर्रा	श्री रविन्द्र पाल सिंह
बड़ौत	श्री कृष्णपाल सिंह मलिक उर्फ के0पी0	कोल	श्री अनिल पारासर
बागपत	श्री योगेश धामा	अलीगढ़	श्रीमती मुक्ता राजा
लोनी	श्री नन्दकिशोर गुर्जर	इगलास(सु.)	श्री राजकुमार सहयोगी
मुरादनगर	श्री अजीत पाल त्यागी	छाता	चौधरी लक्ष्मी नारायण
साहिबाबाद	श्री सुनील शर्मा	मांट	श्री राजेश चौधरी
गाजियाबाद	श्री अतुल गर्ग	गोवर्धन	ठा0 मेघश्याम सिंह
मोदीनगर	डॉ0 श्रीमती मंजू सिवाच	मथुरा	श्री श्रीकान्त शर्मा
धौलाना	श्री धर्मेश तोमर	बलदेव(सु.)	श्री पूरन प्रकाश जाटव
हापुड़(सु.)	श्री विजयपाल आढ़ती	एत्मादपुर	डॉ0 धर्मपाल सिंह
गढ़मुक्तेश्वर	श्री हरेन्द्र चौधरी तेवतिया	आगरा कैन्ट(सु.)	डॉ0 जी0एस0 धर्मेश
नोएडा	श्री पंकज सिंह	आगरा दक्षिण	श्री योगेन्द्र उपाध्याय
दादरी	श्री तेजपाल सिंह नागर	आगरा उत्तर	श्री पुरूषोत्तम खण्डेलवाल
जेवर	श्री धीरेन्द्र सिंह	आगरा ग्रामीण(सु.)	श्रीमती बेबीरानी मौर्या
सिकन्द्राबाद	श्री लक्ष्मीराज सिंह	फतेहपुर सीकरी	चौधरी बाबूलाल
बुलन्दशहर	श्री प्रदीप चौधरी	खैरागढ़	श्री भगवान सिंह कुशवाहा
स्याना	श्री देवेन्द्र सिंह लोधी	फतेहाबाद	श्री छोटेलाल वर्मा
अनूपशहर	श्री संजय शर्मा	बाह	श्रीमती रानी पक्षालिका
डिबाई	श्री चन्द्रपाल सिंह उर्फ सी0पी0 सिंह	नकुड़	श्री मुकेश चौधरी
शिकारपुर	श्री अनिल शर्मा	सहारनपुर नगर	श्री राजीव गुम्बर
रामपुर मनिहारन(सु.)	श्री देवेन्द्र निम	देवबन्द	श्री बृजेश सिंह रावत
गंगोह	श्री कीरत सिंह गुर्जर	तिलहर	श्रीमती सलोना कुशवाहा
बढ़ापुर	श्री सुशान्त सिंह	पुवायां(सु.)	श्री चेतराम पासी
धामपुर	श्री अशोक कुमार राणा	शाहजहांपुर	श्री सुरेश खन्ना
नहटौर(सु.)	श्री ओम कुमार	ददरौल	श्री मानवेन्द्र सिंह
बिजनौर	श्रीमती सुचि मौसम चौधरी	हाथरस(सु.)	श्रीमती अंजुला माहौर
मुरादाबाद नगर	श्री रीतेश गुप्ता	सिकन्दरा राऊ	श्री वीरेन्द्र सिंह राणा

चन्दौसी(सु.)	श्रीमती गुलाबो देवी	टूण्डला(सु.)	श्री प्रेमपाल सिंह धनगर
बिलासपुर	श्री बल्देव सिंह ओलख	फिरोजाबाद	श्री मनीष असीजा
मिलक(सु.)	श्रीमती राज बाला	कासगंज	श्री देवेन्द्र सिंह लोधी
धनौरा(सु.)	श्री राजीव तरारा	अमांपुर	श्री हरीओम वर्मा
हसनपुर	श्री महेन्द्र सिंह खडगवंशी	अलीगंज	श्री सत्यपाल सिंह राठौर
बिल्सी	श्री हरीश शाक्य	एटा	श्री विपिन वर्मा 'डेविड'
बदायूं	श्री महेश गुप्ता	मारहरा	श्री वीरेन्द्र वर्मा
दातागंज	श्री राजीव सिंह उर्फ बब्बू भैया	जलेसर(सु.)	श्री संजीव कुमार दिवाकर
मीरगंज	डॉ0 डी0सी0 वर्मा	मैनपुरी	श्री जयवीर सिंह
नवाबगंज	डॉ0 एम0पी0 आर्य गंगवार	भोगांव	श्री रामनरेश अग्निहोत्री
फरीदपुर(सु.)	डॉ0 श्याम बिहारी लाल	कायमगंज(सु.)	डॉ0 सुरभि
बिथरी चैनपुर	डॉ0 राघवेन्द्र शर्मा	अमृतपुर	श्री सुशील कुमार शाक्य
बरेली	डॉ0 अरूण सक्सेना	फर्रूखाबाद	मेजर सुनील दत्त द्विवेदी
बरेली कैन्टोनमेंट	श्री संजीव अग्रवाल	भोजपुर	श्री नागेन्द्र सिंह राठौर
आंवला	श्री धर्मपाल सिंह	छिबरामऊ	श्रीमती अर्चना पाण्डेय
कटरा	श्री वीर विक्रम सिंह	तिर्वा	श्री कैलाश सिंह राजपूत
जलालाबाद	श्री हरी प्रकाश वर्मा	कन्नौज(सु.)	श्री असीम अरूण (आईपीएस)
औरैया(सु.)	श्रीमती गुड़िया कठेरिया	इटावा	श्रीमती सरिता भदौरिया
रसूलाबाद(सु.)	श्रीमती पूनम संखवार	पूरनपुर(सु.)	श्री बाबूराम पासवान
अकबरपुर रनिया	श्रीमती प्रतिभा शुक्ला	बीसलपुर	श्री विवेक वर्मा
सिकन्दरा	श्री अजीत पाल	पलिया	श्री हरविन्दर रोमी साहनी
भोगनीपुर	श्री राकेश सचान	निघासन	श्री शशांक वर्मा
बिल्हौर(सु.)	श्री राहुल बच्चा सोनकर	गोला गोकर्णनाथ	श्री अरविन्द गिरी
बिठूर	श्री अभिजीत सांगा	श्रीनगर(सु.)	श्रीमती मंजू त्यागी
कल्याणपुर	श्रीमती नीलिमा कटियार	धौरहरा	श्री विनोद शंकर अवस्थी
गोविन्दनगर	श्री सुरेन्द्र मैथानी	लखीमपुर	श्री योगेश वर्मा
किदवई नगर	श्री महेश त्रिवेदी	कस्ता(सु.)	श्री सौरभ सिंह सोनू
महराजपुर	श्री सतीश महाना	मोहम्मदी	श्री लोकेन्द्र प्रताप सिंह
घाटमपुर(सु.)	श्रीमती सरोज कुरील	महोली	श्री शशांक त्रिवेदी
माधौगढ़	श्री मूलचन्द्र निरंजन	सीतापुर	श्री राकेश राठौर 'गुरू'
उरई	श्री गौरी शंकर वर्मा	हरगांव(सु.)	श्री सुरेश राही
बबीना	श्री राजीव 'पारीक्षा'	बिसवॉं	श्री निर्मल वर्मा
झांसी नगर	श्री रवि शर्मा	सेवता	श्री ज्ञान तिवारी
मऊरानीपुर	डॉ0 रश्मि आर्य	महमूदाबाद	श्रीमती आशा मौर्य
गरौठा	श्री जवाहर राजपूत	सिधौली(सु.)	श्री मनीष रावत

ललितपुर	श्री रामरतन कुशवाहा	मिश्रिख(सु.)	श्री रामकृष्ण भार्गव
मेहरौनी(सु.)	श्री मनोहर लाल 'मन्नू कोरी'	सवायजपुर	श्री माधवेन्द्र प्रताप रानू
हमीरपुर	श्री मनोज प्रजापति	शाहाबाद	श्रीमती रजनी सरीन
राठ	श्रीमती मनीषा अनुरागी	हरदोई	श्री नितिन अग्रवाल
महोबा	श्री राकेश गोस्वामी	गोपामऊ(सु.)	श्री श्याम प्रकाश
चरखारी	श्री बृजभूषण राजपूत	साण्डी(सु.)	श्री प्रभाष वर्मा
पीलीभीत	श्री संजय गंगवार	बिलग्राम–मल्लावां	श्री आशीष सिंह आशु
बरखेड़ा	श्री जयद्रथ उर्फ स्वामी प्रवक्तानन्द	बालामऊ(सु.)	श्री रामपाल वर्मा
सण्डीला	श्रीमती अलका अर्कवंशी	सुल्तानपुर	श्री विनोद सिंह
बांगरमऊ	श्री श्रीकान्त कटियार	जयसिंहपुर सदर	श्री राज प्रसाद उपाध्याय
सफीपुर(सु.)	श्री बम्बा लाल दिवाकर	लम्भुआ	श्री सीताराम वर्मा
मोहान(सु.)	श्री बृजेश रावत	कादीपुर(सु.)	श्री राजेश गौतम
उन्नाव	श्री पंकज गुप्ता	मानिकपुर	श्री अविनाश चन्द्र द्विवेदी
भगवंतनगर	श्री आशुतोष शुक्ला	विश्वनाथ गंज	श्री जीतलाल पटेल
पुरवा	श्री अनिल सिंह	प्रतापगढ़ सदर	श्री राजेन्द्र मौर्य
मलिहाबाद(सु)	श्रीमती जया देवी	फाफामऊ	श्री गुरू प्रसाद मौर्य
बक्शी का तालाब	श्री योगेश शुक्ला	फूलपुर	श्री प्रवीण कुमार पटेल
सरोजनी नगर	श्री राज राजेश्वर सिंह	करछना	श्री पीयूष रंजन निषाद
लखनऊ उत्तर	डॉ0 नीरज बोरा	प्रयागराज पश्चिम	श्री सिद्धार्थनाथ सिंह
लखनऊ पूर्व	श्री आशुतोष टण्डन 'गोपाल'	प्रयागराज उत्तर	श्री हर्ष वाजपेयी
लखनऊ कैन्टोनमेंट	श्री बृजेश पाठक	प्रयागराज दक्षिण	श्री नन्द कुमार गुप्ता 'नन्दी'
मोहनलालगंज(सु.)	श्री अमरेश कुमार	बारा(सु.)	श्री वाचस्पति, पूर्व विधायक
रायबरेली	श्रीमती अदिति सिंह	कोरांव(सु.)	श्रीमती राजमणि कोल
सलोन(सु.)	श्री अशोक कोरी	कुर्सी	श्री साकेन्द्र प्रताप वर्मा
तिन्दवारी	श्री रामकेश निषाद	दरियाबाद	श्री सतीश चन्द्र शर्मा
नरैनी(सु.)	श्रीमती ओममणी वर्मा	हैदरगढ़(सु.)	श्री दिनेश रावत
बांदा	श्री प्रकाश द्विवेदी	रूदौली	श्री रामचन्द्र यादव
जहानाबाद	श्री राजेन्द्र पटेल	बीकापुर	डॉ0 अमित सिंह चौहान
बिन्दकी	श्री जय कुमार सिंह 'जैकी'	अयोध्या	श्री वेद प्रकाश गुप्ता
अयाहशाह	श्री विकास गुप्ता	बलहा(सु.)	श्रीमती सरोज सोनकर
खागा(सु.)	श्रीमती कृष्णा पासवान	नानपारा	श्री राम निवास वर्मा
तिलोई	श्री मयंकेश्वर सिंह	महसी	श्री सुरेश्वर सिंह
जगदीशपुर(सु.)	श्री सुरेश कुमार पासी	बहराइच	श्रीमती अनुपमा जायसवाल
पयागपुर	श्री सुभाष त्रिपाठी	गोरखपुर शहर	श्री योगी आदित्यनाथ
श्रावस्ती	श्री राम फेरन पाण्डेय	गोरखपुर ग्रामीण	श्री विपिन सिंह

मेहनौन	श्री विनय कुमार द्विवेदी	सहजनवां	श्री प्रदीप शुक्ला
गोंडा	श्री प्रतीक भूषण सिंह	खजनी(सु.)	श्री श्रीराम चौहान
कटरा बाजार	श्री बावन सिंह	चौरी–चौरा	ई0 सरवन निषाद
कर्नलगंज	श्री अजय कुमार सिंह	बांसगांव(सु.)	श्री विमलेश पासवान
तरबगंज	श्री प्रेम नारायण पाण्डेय	चिल्लूपार	श्री राजेश त्रिपाठी
मनकापुर(सु.)	श्री रमापति शास्त्री	खड्डा	श्री विवेकानन्द पाण्डेय
गौरा	श्री प्रभात कुमार वर्मा	पडरौना	श्री मनीष जायसवाल
तुलसीपुर	श्री कैलाश नाथ शुक्ला	तमकुही राज	डॉ0 असीम कुमार राय
उतरौला	श्री राम प्रताप 'शशिकान्त वर्मा'	फाजिलनगर	श्री सुरेन्द्र कुशवाहा
बलरामपुर(सु.)	श्री पल्टूराम	कुशीनगर	श्री पी0एन0 पाठक
शोहरतगढ़	श्री विनय वर्मा	हाटा	श्री मोहन वर्मा
कपिलवस्तु(सु.)	श्री श्याम धनी राही	रामकोला(सु.)	श्री विनय गोंड
बांसी	श्री जय प्रताप सिंह	रूद्रपुर	श्री जय प्रकाश निषाद
हरैया	श्री अजय कुमार सिंह	देवरिया	श्री शलभमणि त्रिपाठी
मेंहदावल	श्री अनिल कुमार त्रिपाठी	पथरदेवा	श्री सूर्य प्रताप शाही
खलीलाबाद	श्री अंकुर राज तिवारी	रामपुर कारखाना	श्री सुरेन्द्र चौरसिया
घनघटा(सु.)	श्री गणेश चन्द्र चौहान	भाटपार रानी	श्री सभा कुंवर कुशवाहा
नौतनवां	श्री ऋषी त्रिपाठी	सलेमपुर(सु.)	श्रीमती विजय लक्ष्मी गौतम
सिसवा	श्री प्रेमसागर पटेल	बरहज	श्री दीपक मिश्रा 'शाका'
महराजगंज(सु.)	श्री जयमंगल कनौजिया	बलिया नगर	श्री दयाशंकर सिंह
पनियरा	श्री ज्ञानेन्द्र सिंह	बांसडीह	श्रीमती केतकी सिंह
कैम्पियरगंज	श्री फतेह बहादुर सिंह	मधुबन	श्री रामविलास चौहान
पिपराइच	श्री महेन्द्र पाल सिंह	बदलापुर	श्री रमेश चन्द्र मिश्रा
शाहगंज	श्री रमेश सिंह	वाराणसी दक्षिणी	श्री नीलकंठ तिवारी
जौनपुर	श्री गिरीश चन्द्र यादव	वाराणसी कैन्टोनमेंट	श्री सौरभ श्रीवास्तव
मंडियाहू	डॉ0 आर0के0 पटेल	सेवापुरी	श्री नीलरतन सिंह पटेल
मुगलसरॉय	श्री रमेश जायसवाल	ज्ञानपुर	श्री विपुल दुबे
सैयदराजा	श्री सुशील सिंह	औराई(सु.)	श्री दीनानाथ भास्कर
चकिया(सु.)	श्री कैलाश खरवार	छानवे(सु.)	श्री राहुल प्रकाश कोल
पिन्ड्रा	डॉ0 अवधेश सिंह	मिर्जापुर	श्री रत्नाकर मिश्रा
अजगरा(सु.)	श्री त्रिभुवन राम	मझवां	डॉ0 विनोद कुमार बिन्द
शिवपुर	श्री अनिल राजभर	चुनार	श्री अनुराग सिंह
रोहनियां	डॉ0 सुनील पटेल	मड़िहान	श्री रमाशंकर पटेल
वाराणसी उत्तरी	श्री रवीन्द्र जायसवाल	घोरावल	श्री अनिल मौर्य
दुद्धी(सु.)	श्री रामदुलार गोड़	राबर्ट्सगंज	श्री भूपेश चौबे
		ओबरा(सु.)	श्री संजीव कुमार उर्फ संजय गोड़

समाज निर्माण में प्रबुद्ध वर्ग की भी भूमिका

– जगत प्रकाश नड्डा

एक बेहतर समाज के निर्माण की जितनी जिम्मेदारी सरकार की होती है उतनी ही प्रबुद्ध समाज की भी होती है और ये काफी खुशी की बात है कि काशी का प्रबुद्ध वर्ग अपनी इस जिम्मेदारी को अच्छे से समझ रहा है। आज जिस पार्टी से हमारा राजनीतिक टकराव है, वो पार्टियां प्रजातंत्र के लिए बहुत बड़ा खतरा हैं। देश में भाजपा छोड़कर सभी राजनीतिक पार्टियां परिवार की पार्टी बन गई हैं। जम्मू–कश्मीर से लेकर यूपी तक, इन परिवारवादी पार्टियों ने देश और प्रदेश का बड़ा नुकसान किया है। इन्होंने केवल अपने–अपने परिवार के लिए सरकारें चलाई, जनता के लिए नहीं। पीडीपी और नेशनल कॉन्फ्रेंस परिवार की पार्टियां हैं। हरियाणा में लोकदल, परिवार की पार्टी है। पंजाब में अकाली दल, परिवार की पार्टी है। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी, परिवार की पार्टी है। बंगाल में टीएमसी, परिवार की पार्टी है। आंध्र प्रदेश में ज्क्च और लैत्त परिवार की पार्टी है। महाराष्ट्र में शिवसेना, परिवार की पार्टी है। अब तो कांग्रेस पार्टी भाई–बहन की पार्टी बन कर रह गई है। जब प्रजातंत्र के लिए खतरे की बात की जाती है तो मैं इसमें इंडियन नेशनल कांग्रेस को भी दोषी मानता हूँ क्योंकि एक राष्ट्रीय पार्टी द्वारा क्षेत्रीय आकांक्षाओं को जिस प्रकार अपने में समाहित करना था, वह प्रक्रिया अधूरे रही जिसकी वजह से धीरे धीरे राष्ट्रीय पार्टियों पार्टियाँ गौण होती गई और क्षेत्रीय पार्टियाँ स्थापित होती चली गई और ये क्षेत्रीय पार्टियाँ धीरे धीरे पारिवारिक पार्टियाँ बनती चली गई। सबसे बड़ी दुःख की बात है कि इंडियन नेशनल कांग्रेस अब न तो इंडियन ही रह गई है, न नेशनल और न ही लोकतांत्रिक पार्टी रह गई है। ये अकेली भाजपा है जो विचारधारा और सिद्धांतों के साथ राष्ट्रीय पार्टी के रूप में प्रतिष्ठित है। देश के लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए भारतीय जनता पार्टी को और मजबूत करना अत्यावश्यक है।

एक बेहतर समाज के निर्माण की जितनी जिम्मेदारी सरकार की होती है उतनी ही प्रबुद्ध समाज की भी होती है और ये काफी खुशी की बात है कि काशी का प्रबुद्ध वर्ग अपनी इस जिम्मेदारी को अच्छे से समझ रहा है।

भारतीय जनता पार्टी का मकसद किसी को विधायक, मंत्री अथवा मुख्यमंत्री बनाना नहीं है बल्कि हमारा मकसद तो सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास है। Nation first, party then, self last ये हमारा ध्येय है। जम्मू–कश्मीर से धारा 370 हटाने की बात आई तो सारी राजनीतिक दलों ने अपना स्टैंड बदला लेकिन इस विषय पर जो डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने सोचा तथा श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने जिसके लिए अपनी सारी जिंदगी लगा दी, उसे पूरा करने का काम देश के यशस्वी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने किया है।

सपा सरकार के समय निर्दोष राम भक्तों पर गोलियां चलाई गई थी लेकिन आजकल अखिलेश जी मंदिर जाकर घंटी बजा रहे हैं। कांग्रेस ने वर्षों तक राममंदिर के मसले को अटकाया, लटकाया और भटकाया। लेकिन, सुप्रीम कोर्ट ने सर्वसम्मत से जो फैसला सुनाया, उसके आलोक में आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने रामलला की जन्मभूमि पर शिलान्यास कर भव्य मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। ये आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी हैं जिन्होंने अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का शिलान्यास किया, बाबा काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर का लोकार्पण किया, ट्रिपल तलाक को खत्म किया और आतंकवादियों पर सर्जिकल स्ट्राइक व एयर स्ट्राइक किया।

हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की सोच रही है कि हवाई चप्पल पहनने वाले को हवाई जहाज से सफर कराना है। ये हमारा आम आदमी के प्रति उद्देश्य है। आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने देश की ताकत को समझा है। हम कई बार लोगों को बताते हैं कि जिस किसी भी कार्य को भारत शुरू करेगा, वह दुनिया का सबसे बड़ा प्रोग्राम बन जाएगा और भारत का मुकाबला भी कोई देश नहीं कर पायेगा। हमारा वैक्सीनेशन प्रोग्राम देश का सबसे तेज और सबसे बड़ा हेल्थ कवरेज है। पहले की सरकारों में किसी बीमारी की दवाई आने में दशकों लग जाते थे। जब कोरोना जनवरी 2020 में आया, अप्रैल में हमारे प्रधानमंत्री जी ने टास्क फोर्स बनाया और 9 महीने के अंदर एक नहीं बल्कि दो–दो वैक्सीन का निर्माण हुआ। वैक्सीन केवल देश में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में भेजी गई। ये वही अखिलेश यादव हैं जो वैक्सीन को लेकर बोलते थे कि ये मोदी टीका है, ये भाजपा का टीका है, इसे मत लगाना। ये लगातार यूपी को जनता को टीके के लिए गुमराह करते रहे हालांकि ये अलग बात है कि डर लगने पर वे खुद चुपचाप वही टीका लगवा आए। पिछली सदी में जब भी महामारी आई, तब बीमारी से ज्यादा लोग भुखमरी से मरे थे। कोरोना महामारी के समय हमारे प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी ने गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत देश के लगभग 80 करोड़ लोगों के लिए मुफ्त राशन की व्यवस्था की ताकि इस संकट काल में कोई भी भूखा न सोने पाए। विगत दो वर्षों से माननीय प्रधानमंत्री जी देश के 80 करोड़ लोगों तक मुफ्त राशन पहुंचा रहे हैं। योगी आदित्यनाथ जी ने इसमें दलहन, तेल और नमक भी अलग से जोड़ दिया। ये है डबल इंजन सरकार की ताकत।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में योगी आदित्यनाथ जी ने यूपी के लगभग 15 करोड़ लोगों के जीवन–स्तर को ऊपर उठाया है। आज यदि प्रदेश में गरीबों के लिए 42 लाख आवास बने हैं, उज्ज्वला योजना के तहत 1.67 करोड़ माताओं–बहनों को मुफ्त गैस कनेक्शन मिला है, स्वच्छता अभियान के तहत 1.61 करोड़ घरों में शौचालय बना है, सौभाग्य योजना के तहत 1.42 करोड़ घरों में बिजली पहुंची है और जल जीवन मिशन के तहत हर घर में नल से जल पहुँच रहा तो क्या आम लोगों की जिंदगी आसान हुई या नहीं? कोरोना काल में पिछले दो साल से यूपी के लगभग 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है। इसमें गेहूं और चावल के साथ–साथ दाल, तेल और नमक भी मुफ्त लोगों तक

पहुंचाया जा रहा है। डबल इंजन की सरकार में गाँवों में 7,000 किमी पक्की सड़कें बनी हैं, 5 नए एक्सप्रेस–वे बने हैं, इंडस्ट्रियल कॉरिडोर व डिफेंस कॉरिडोर बन रहे हैं और 14,000 किलोमीटर से अधिक सड़कों का चौड़ीकरण किया गया है। आज हर जनपद में एक मेडिकल कॉलेज यदि खोला जा रहा है और लोगों को आयुष्मान भारत का कवच मिला है। पिछले पांच वर्षों में यूपी में 77 नए कॉलेज, 28 इंजीनियरिंग कॉलेज, 26 नए पॉलिटेक्निक कॉलेज, 79 आईटीआई कॉलेज, 250 इंटर कॉलेज एवं 771 कस्तूरबा गाँधी विद्यालय खोले गए। हमने बुनियादी व्यवस्था से लेकर एयरपोर्ट, मेट्रो, पर्यटन, एक्सप्रेस–वे और हाइयर एजुकेशन तक विकास को एक नया आयाम दिया है। साथ ही, हमने क़ानून–व्यवस्था को चुस्त–दुरुस्त बनाया है जिससे सबसे अधिक लाभ यूपी के गरीबों को हुआ है। आज महिलायें सबसे अधिक सुरक्षित हैं, माफिया जेल में हैं और लोग सम्मान के साथ जीवन यापन कर रहे हैं, इसलिए आज यूपी की जनता एकजुट होकर भाजपा के पक्ष में मतदान कर रही हैं।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत देश के 10 करोड़ से अधिक किसानों को अब तक 1.80 लाख करोड़ रुपये की सहायता दी जा चुकी है। यूपी में भी लगभग ढाई करोड़ से अधिक किसानों को इसके तहत लगभग 36,000 करोड़ रुपये का लाभ दिया जा चुका है। आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने यूपी में वर्षों से लंबित 17 सिंचाई परियोजनाएं पूरी की हैं। इसमें से तो कई योजनायें ऐसी हैं जो पंडित नेहरू के समय से लंबित थी। केन–बेतवा लिंक परियोजना को 44,000 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा है जिससे बुंदेलखंड में सिंचाई की सारी समस्या हल हो सकती है। यूपी में पिछले पांच सालों में लगभग 86 लाख किसानों के कर्ज माफ़ हुए हैं। अब हमने यह निर्णय लिया है कि योगी आदित्यनाथ सरकार के पुनः बनने पर किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली मिलेगी। सपा और बसपा की सरकार के 10 वर्षों में गन्ना किसानों को जितना भुगतान हुआ, उससे कहीं अधिक लगभग 1.48 लाख करोड़ रुपये का भुगतान योगी सरकार ने किया है। हमारी सरकार ने तो अखिलेश यादव के समय के भी 11,000 करोड़ रुपये का भुगतान गन्ना किसानों को किया है। पिछली सरकार ने कुछ धनपतियों को फायदा पहुंचाने के लिए लाखों टन रॉ शुगर का आयात किया जिससे चीनी के मूल्य में गिरावट आई और गन्ना किसानों को भारी नुकसान हुआ। हमने 2014 में आते ही रॉ शुगर इम्पोर्ट पर 40% ड्यूटी बढ़ाकर और एथेनोल की मूल्यवृद्धि करके हमने गन्ना किसानों को लाभ पहुंचाने का काम किया है। सपा–बसपा की सरकारों में यूपी में लगभग 21 चीनी मिलें बंद हो गई थी, हमारी सरकार में कोई चीनी मिल बंद नहीं हुई बल्कि तीन नई चीनी मिलें खुली हैं और कई का विस्तारीकरण हुआ है।

पूर्वांचल के विकास की चर्चा करते हुए माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने पूर्वांचल को विकसित करने के लिए कई योजनाओं को जमीन पर क्रियान्वयित किया है। पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस–वे बनाया जा रहा है। पूर्वांचल में पिछले 5 वर्षों में 12 नए मेडिकल कॉलेज बनाया गया है। वाराणसी में पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर हॉस्पिटल बनाया गया। गोरखपुर में एम्स बन रहा है। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक बनाया गया है। सिद्धार्थनगर, प्रतापगढ़, देवरिया, गाजीपुर, मिर्जापुर और जौनपुर में नए मेडिकल कॉलेज बनाए गए हैं। एक्सप्रेस–वे से सभी जनपदों को जोड़ा जा रहा है। मतलब, हर तरफ विकास की नई कहानी लिखी जा रही है।

किसी भी किसान को सिंचाई के लिए कोई बिजली बिल नहीं देना होगा। गन्ना किसानों को 14 दिनों में भुगतान नहीं होने पर चीनी मिलों को इस पर ब्याज भी देना होगा। 12वीं पास छात्राओं को हमारी सरकार मुफ्त स्कूटी देगी तथा इंटर में एडमिशन लेने वाले सभी छात्र–छात्राओं को मुफ्त लैपटॉप या टैबलेट दिया जायेगा। हर दिवाली और होली पर माताओं–बहनों को एक–एक गैस सिलिंडर मुफ्त दिया जाएगा। विगत पांच वर्षों में डबल इंजन सरकार के अथक मेहनत से यूपी अर्थव्यवस्था के मामले में देश में सातवें स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंची है। अगले पांच सालों में हम यूपी को देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनायेंगे।

सपा की कल्पना में न विकास की सोच है और न ही विकास करने की उनकी नीयत है। वे एक परिवार से आगे कुछ सोच ही नहीं पाते। सपा, बसपा और कांग्रेस की सरकार में उत्तर प्रदेश बीमारु प्रदेश का 'U' बन कर रह गया था लेकिन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में योगी आदित्यनाथ सरकार के क्रियान्वयन से अब 'U' से उत्तम प्रदेश के रूप में उत्तर प्रदेश प्रतिष्ठित हुआ है।

नारी ''ब्रेक द बायस''

यत्र नार्यस्तु पूज्यते, रमंते तत्र देवता

– धर्मेन्द्र त्रिपाठी

यत्र नार्यस्तु पूज्यते, रमंते तत्र देवता मंत्र भारतीय संस्कृति एवं राष्ट्रीयत्व में नारी की उच्च .... का परिचायक रहा है। पौराणिक काल खंड से लेकर भारत में हमेशा ज्ञान विज्ञान समाज के विभिन्न क्षेत्रों में नारी हमेशा से ही समान पद पर रही है।

विश्व में स्त्रियों के संघर्ष, उनके मानवीय मूल्यों और आदर्शों के प्रति समर्पण को वैश्विक स्तर पर अनुकरणीय बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस प्रत्येक वर्ष 8 मार्च को मनाया जाता है। भारतीय चिंतन में आज आवश्यकता है नारी को ''**ना देवी माने ना दासी**'' वह समाज में सहचरी है उसकी घर परिवार समाज के विकास में समान भूमिका है गृहस्थ जीवन की गाड़ी के दो पहिये हैं एक बिना एक अधूरा है।

वस्तुतः यह महिलाओं के सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक उपलब्धियों का उत्स है। ऐतिहासिक सन्दर्भों में महिला दिवस को मनाने की शुरुआत औद्योगिक क्रान्ति के साथ जुडी हुई है जहां दुनिया के उद्योगों के विकास ने महिलाओं को आत्मनिर्भर और स्वतंत्र करने के बजाए नई आर्थिक संरचनाओं में जकड़ना शुरू किया। वर्ष 1911 में पहली बार ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, जर्मनी और स्विटजरलैंड में 19 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया।

संयुक्त राष्ट्र ने अपना पहला आधिकारिक अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च को मनाया, जिसे सार्वभौमिक रूप से स्वीकार किया गया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को कुछ देशों में सार्वजनिक अवकाश घोषित कर मनाया जाता है।

महिला दिवस और समाज

महिला दिवस अपने उद्विकासीय स्वरुप में जहां एक ओर समाज में विद्यमान विषमतामूलक, हिंसक एवं गैर–लोकतांत्रिक संरचनाओं के प्रतिरोध की वैचारिक दृढ़ोक्ति है वहीं दूसरी ओर यह महिलाओं के द्वारा किए गए संघर्ष, उनकी उपलब्धियों और दुनिया को बेहतर बनाने में किए गए योगदान को याद करने का दिन है।

आज दुनिया के लगभग सभी देशों में लैंगिक समानता की बात की जा रही है लेकिन राष्ट्रों द्वारा बड़ी प्रगति कर लेने के बावजूद यह विचार एक सपना ही बना हुआ है। वैश्विक आर्थिक सुधारों के बावजूद लगभग 60 प्रतिशत महिलाएं आर्थिक रूप से कमजोर हैं और आने वाले दिनों में यह स्थिति और भयावह हो सकती है।

आंकड़े बताते है कि महिला–पुरुष आमदनी में पर्याप्त विषमता है। महिलाएं पुरुषों की तुलना में 23 प्रतिशत कम कमाती हैं। आबादी के लिहाज से देखे तो हम पाते है कि महिलाएं दुनिया की आधी आबादी के रूप में है, वहीं महिलाओं की राजनैतिक भागीदारी केवल 24 प्रतिशत है ।

यह भी दिलचस्प है कि उत्तर कोरिया में महिला साक्षरता दर 100 प्रतिशत है। पोलैंड, रूस और यूक्रेन में 99.7 प्रतिशत, इटली में 99, सर्बिया में 97.5, चीन में 95.2 और यहां तक कि हमारे पड़ोसी छोटे देश श्रीलंका में यह 91.0 प्रतिशत है, जबकि भारत में यह 65.8 प्रतिशत है। कुछ पड़ोसी देशों में महिला साक्षरता दर और भी कम है जैसे–पाकिस्तान में 46.5, अफगानिस्तान में 29.8, चाड में 14 और नाइजर में 11 प्रतिशत महिला साक्षरता दर है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस-2022 और ध्येय

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस–2022 का ध्येय वाक्य 'ब्रेक द बायस' है अर्थात पूर्वाग्रहों को तोड़ना। हम सभी यह जानते हैं कि समाज में व्याप्त पूर्वाग्रहों को तोड़े बगैर एक समतामूलक, समावेशी और न्यायसंगत समाज का निर्माण नहीं हो सकता है। इसके लिए हम एक पूर्वाग्रह, रूढ़िवादिता और भेदभाव से मुक्त दुनिया की कल्पना करना चाहते हैं, जहां समानता एक जीवन मूल्य के रूप में समाज को निर्देशित करे।

ऐसी दुनिया लैंगिक समानता की दुनिया होगी। हम साथ मिलकर महिलाओं की समानता का निर्माण कर सकते हैं और सामूहिक रूप से पक्षपात को दूर कर सकते हैं। आज

का परिदृश्य बताता है कि हम सभी अपने विचारों और कार्यों के लिए जिम्मेदार हैं। पूर्वाग्रहों की मौजूदगी को केवल महसूस कर लेना ही पर्याप्त नहीं है। प्रत्येक अवसर पर हमें लैंगिक पूर्वाग्रह, भेदभाव और रूढ़िबद्धता को तोड़ने के लिए कार्रवाई करने की आवश्यकता है।

इस वर्ष **'ब्रेक द बायस'** पूर्वाग्रह को दूर करने, रूढ़िवादिता को तोड़ने, असमानता और भेदभाव को समाप्त करने की प्रतिबद्धता दिखाने के लिए प्रतीक रूपक है। समाज में बदलाव लाने के लिए हमें चुनौतियों को स्वीकार करना होगा और महिलाओं की उपलब्धियों को महत्त्व देने के लिए कदम उठाने होंगे। महिलाओं की समानता के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए लैंगिक समानता की पैरवी करनी होगी और महिला केंद्रित विकास के लिए भी आवश्यक कदम उठाने होंगे।

गौरतलब है कि कोविड–19 के दौरान वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ता के रूप में लगभग 70 प्रतिशत की भागीदारी महिलाओं ने ही निभाई है ।आज महिलाएँ अपनी सूझबूझ से सभी चुनौतियों, जिम्मेदारियों आदि का सामना कर रही हैं। आज आवश्यकता इस बात कि है कि हम स्वीकार करें कि महिलाएं प्रतिभाशाली हैं, वे उपलब्धियां हासिल कर सकती हैं, और वे जीवन के सभी क्षेत्रों में सफल हो सकती हैं।

इतिहास से नारी –

अगर हम इतिहास पर नजर डालें तो कई महिलाओं ने विभिन्न क्षेत्रों में सम्मान हासिल किया है। मैरी क्यूरी को 1903 में भौतिकी के लिए और 1911 में रसायन विज्ञान में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। उनकी बेटी आइरीन क्यूरी को भी 1935 में रसायन विज्ञान में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। झांसी को बचाने के लिए रानी लक्ष्मीबाई ने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। पुनीता अरोड़ा भारतीय सेना की पहली महिला लेफ्टिनेंट जनरल बनीं। श्रीमती प्रतिभा पाटिल को प्रथम भारतीय महिला राष्ट्रपति होने का गौरव प्राप्त है।

शकुंतला देवी का नाम उनकी गणितीय उत्कृष्टता के लिए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल किया गया था। श्रीमती किरण बेदी पहली महिला आईपीएस अधिकारी के रूप में सुविख्यात हैं। अंतरिक्ष में जाने वाली पहली महिला कल्पना चावला भारतीय मूल की ही थीं।

दो बार माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली दुनिया की पहली महिला संतोष यादव ने देश का नाम ऊंचा किया। राजीव गाँधी खेल रत्न पुरस्कार प्राप्त करने वाली पहली भारतीय महिला मुक्केबाज मैरी कॉम हैं।

अरून्धती भट्टाचार्य स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की पहली महिला चेयरमैन बनी। आज भारतीय महिलाओं ने व्यवसाय के क्षेत्र में भी अपना परचम लहराया है। इसमें विशेष रूप से बायोकान की चेयरमैन किरन मजूमदार शॉ, अमेज़ोन की बोर्ड मेम्बर इन्दिरा नूई और हाल ही में शेयर मार्केट में तहलका मचाने वाली नाइका की संस्थापक अध्यक्ष फाल्गुनी नायर के नाम उल्लेखनीय हैं ।

निःसंदेह इन सभी महिलाओं ने सफलता की पराकाष्ठा तक पहुंचने के लिए पूर्वाग्रहों को तोड़ा है लेकिन इस तरह की यात्रा को अधिक से अधिक महिलाओं को तय करना होगा।

इस अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आइए हम महिलाओं की गरिमा को बनाए रखने का संकल्प लें। वे हमारे देश की शक्ति हैं और देश की अर्थव्यवस्था को ऊपर उठाने में भी समान रूप से सक्षम हैं। मातृशक्ति के सशक्तिकरण से ही राष्ट्र की आत्मनिर्भरता और विश्वगुरु की पुनर्प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त हो सकेगा।

प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में 2014 से केन्द्र सरकार ने महिला सशक्तिकरण की दृष्टि से विशेष प्रयास किये **"बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ"** अभियान चलाकर लैंगिक असमानता को मिटाने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा के लिए महिलाओं के हितार्थ विशेष प्रयास हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार के नारी शक्ति मिशन से नारियों में सुरक्षा की भावना प्रबल हुई है। उत्तर प्रदेश सरकार ने अपने विगत कार्यकाल में महिला सुरक्षा को प्राथमिकता के रूप में लेकर विशेष अभियान चलाया है।

केन्द्र सरकार ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में अपने प्रयत्नों में वृद्धि की है फलस्वरूप सेना, वायुसेना में भी महिला अधिकारियों की नियुक्तियां, प्रमुख पदों पर की गयी ।इसके अतिरिक्त यदि खेल आदि पुरूष वर्चस्व के क्षेत्रों में महिलाऐं नये–नये कीर्तिमान स्थापित कर रही है।

भारत आदि देव महादेव भगवान शंकर के अर्द्धनारीश्वर रूप का साधना करने वाला देश है भारत माता के रूप में हमारे जन मानस में अपनी जन्म भूमि को माता स्वरूप में पूजा करने का संस्कार है। मातृ शक्ति, नारी शक्ति भरत के सामान्य जनमानस में यद्धपि बहुत पूजनीय है। विश्व के स्तर पर महिला दिवस मनाने की परंपरा से बहुत पूर्व से ही भारत ने सम्पूर्ण विश्व के लिए मंत्र दिया है।

यत्र नार्यस्तु पूज्यते, रमंते तत्र देवता।।

महादेव का ध्यान

ध्यान की अनेकानेक एवं अनंत विधियाँ संसार में प्रचलित हैं. साधकों की सुविधा के लिए विभिन्न शास्त्रों व ग्रंथों से प्रमाण लेकर ध्यान की विधियाँ बताते हैं जिनका अभ्यास करके साधक शीघ्रातिशीघ्र ईश्वर साक्षात्कार को प्राप्त कर सकता है.

1. श्री कृष्ण अर्जुन संवाद :–

भगवन श्री कृष्ण ने अर्जुन से कहाः शुद्ध एवं एकांत स्थान पर कुशा आदि का आसन बिछाकर सुखासन में बैठें. अपने मन को एकाग्र करें. मन व इन्द्रियों की क्रियाओं को अपने वश में करें, जिससे अंतःकरण शुद्ध हो. इसके लिए शारीर, सर व गर्दन को सीधा रखें और हिलाएं–दुलायें नहीं. आँखें बंद रखें व साथ ही जीभ को भी न हिलाएं. अब अपनी आँख की पुतलियों को भी इधर–उधर नहीं हिलने दें और उन्हें एकदम सामने देखता हुआ रखें. एकमात्र ईश्वर का स्मरण करते रहें. ऐसा करने से कुछ ही देर में मन शांत हो जाता है और ध्यान आज्ञा चक्र पर स्थित हो जाता है और परम ज्योति स्वरुप परमात्मा के दर्शन होते हैं.

विशेष :– ध्यान दें जब तक मन में विचार चलते हैं तभी तक आँख की पुतलियाँ इधर–उधर चलती रहती हैं. और जब तक आँख की पुतलियाँ इधर–उधर चलती हैं तब तक हमारे मन में विचार उत्पन्न होते रहते हैं. जैसे ही हम मन में चल रहे समस्त विचारों को रोक लेते हैं तो आँख की पुतलियाँ रुक जाती हैं. इसी प्रकार यदि आँख की पुतलियों को रोक लें तो मन के विचार पूरी तरह रुक जाते हैं. और मन व आँख की पुतलियों के रुकते ही आत्मा का प्रभाव ज्योति के रूप में दीख पड़ता है.

— गीतोपदेश अ. 6 श्लोक 12 से 15

2. शिव-पार्वती संवाद :–

भगवन शिव ने पार्वतीजी से कहा :– "एकांत स्थान पर सुखासन में बैठ जाएँ. मन में ईश्वर का स्मरण करते रहें. अब तेजी से सांस अन्दर खींचकर फिर तेजी से पूरी सांस बाहर छोड़कर रोक लें. श्वास इतनी जोर से बाहर छोड़ें कि इसकी आवाज पास बैठे व्यक्ति को भी सुनाई दे. इस प्रकार सांस बाहर छोड़ने से वह बहुत देर तक बाहर रुकी रहती है. उस समय श्वास रुकने से मन भी रुक जाता है और आँखों की पुतलियाँ भी रुक जाती हैं. साथ ही आज्ञा चक्र पर दबाव पड़ता है।

– नेत्र तंत्र

3. शिवजी ने पार्वतीजी से कहा :–

रात्रि में एकांत में बैठ जाएँ. आंकें बंद करें. हाथों की अँगुलियों से आँखों की पुतलियों को दबाएँ. इस प्रकार दबाने से तारे–सितारे दिखाई देंगे. कुछ देर दबाये रखें फिर धीरे–धीरे अँगुलियों का दबाव कम करते हुए छोड़ दें तो आपको सूर्य के सामान तेजस्वी गोला दिखाई देगा. इसे तैजस ब्रह्म कहते हैं. इसे देखते रहने का अभ्यास करें. कुछ समय के अभ्यास के बाद आप इसे खुली आँखों से भी आकाश में देख सकते हैं. इसके अभ्यास से समस्त विकार नष्ट होते हैं, मन शांत होता है और परमात्मा का बोध होता है.

– शिव पुराण, उमा संहिता

4.शिवजी ने पार्वतीजी से कहा :–

रात्रि में ध्वनिरहित, अंधकारयुक्त, एकांत स्थान पर बैठें. तर्जनी अंगुली से दोनों कानों को बंद करें. आँखें बंद रखें. कुछ ही समय के अभ्यास से अग्नि प्रेरित शब्द सुनाई देगा. इसे शब्द–ब्रह्म कहते हैं. यह शब्द या ध्वनि नौ प्रकार की होती है. इसको सुनने का अभ्यास करना शब्द–ब्रह्म का ध्यान करना है. इससे संध्या के बाद खाया हुआ अन्न क्षण भर में ही पाच जाता है और संपूर्ण रोगों तथा ज्वर आदि बहुत से उपद्रवों का शीघ्र ही नाश करता है. यह शब्द ब्रह्म न ॐकार है, न मंत्र है, न बीज है, न अक्षर है. यह अनाहत नाद है (अनाहत अर्थात बिना आघात के या बिना बजाये उत्पन्न होने वाला शब्द). इसका उच्चारण किये बिना ही चिंतन होता है. यह नौ प्रकार का होता है :–

1. **घोष नाद :–** यह आत्मशुद्धि करता है, सब रोगों का नाश करता है व मन को वशीभूत करके अपनी और खींचता है.
2. **कांस्य नाद :–** यह प्राणियों की गति को स्तंभित कर देता है. यह विष, भूत, ग्रह आदि सबको बांधता है.
3. **श्रृंग नाद :–** यह अभिचार से सम्बन्ध रखने वाला है.
4. **घंट नाद :–** इसका उच्चारण साक्षात् शिव करते हैं. यह संपूर्ण देवताओं को आकर्षित कर लेता है, महासिद्धियाँ देता है और कामनाएं पूर्ण करता है.
5. **वीणा नाद :–** इससे दूर दर्शन की शक्ति प्राप्त होती है.
6. **वंशी नाद :–** इसके ध्यान से सम्पूर्ण तत्त्व प्राप्त हो जाते हैं। ओमकार का ध्यान करने से साक्षात् शिवत्व की प्राप्ति होती है।

केन्द्र सरकार की उपलब्धियां

भारत में 2021-22 के दौरान 31606 मिलियन टन रिकार्ड खाद्यान्न उत्पादन

पिछले दिनों केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा 2021-22 के लिए मुख्य फसलों के उत्पादन के दूसरे अग्रिम अनुमान जारी कर दिए गए। इसके अनुसार देश में 316.06 मिलियन टन रिकार्ड खाद्यान्न उत्पादन हुआ है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने 16 फरवरी को कहा कि देश में खाद्यान्न उत्पादन का लगातार नया रिकार्ड बन रहा है, जो किसान भाइयों-बहनों की कड़ी मेहनत, वैज्ञानिकों के कुशल अनुसंधान और सरकार की किसान हितैषी नीतियों का सद्परिणाम है।

दूसरे अग्रिम अनुमान में मुख्य फसलों के अनुमानित उत्पादन इस प्रकार हैः

- खाद्यान्न – 316.06 मिलियन टन (रिकार्ड)
- चावल – 127.93 मिलियन टन (रिकार्ड)
- गेहूं – 111.32 मिलियन टन (रिकार्ड)
- पोषक/मोटे अनाज – 49.86 मिलियन टन
- मक्का – 32.42 मिलियन टन (रिकार्ड)
- दलहन – 26.96 मिलियन टन (रिकार्ड)
- तूर – 4.00 मिलियन टन
- चना – 13.12 मिलियन टन (रिकार्ड)
- तिलहन – 37.15 मिलियन टन (रिकार्ड)
- मूंगफली – 9.86 मिलियन टन
- सोयाबीन – 13.12 मिलियन टन
- रेपसीड एवं सरसों – 11.46 मिलियन टन (रिकार्ड)
- गन्ना – 414.04 मिलियन टन (रिकार्ड)
- कपास – 34.06 मिलियन गांठें (प्रति 170 कि.ग्रा.)
- पटसन एवं मेस्टा – 9.57 मिलियन गांठें (प्रति 180 कि.ग्रा.)

वर्ष 2021-22 के लिए दूसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार देश में कुल खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड 316.06 मिलियन टन अनुमानित है, जो वर्ष 2020-21 के दौरान प्राप्त उत्पादन की तुलना में 5.32 मिलियन टन अधिक है। वर्ष 2021-22 के दौरान उत्पादन विगत पांच वर्षों (2016-17 से 2020-21) के औसत खाद्यान्न उत्पादन की तुलना में 25.35 मिलियन टन अधिक है।

2021-22 के दौरान चावल का कुल उत्पादन 127.93 मिलियन टन रिकॉर्ड अनुमानित है। यह विगत पांच वर्षों के 116.44 मिलियन टन औसत उत्पादन की तुलना में 11.49 मिलियन टन अधिक है।

वर्ष 2021-22 के दौरान गेहूं का कुल उत्पादन रिकॉर्ड 111.32 मिलियन टन अनुमानित है। यह विगत पांच वर्षों के 103.88 मिलियन टन औसत उत्पादन की तुलना में 7.44 मिलियन टन अधिक है।

पोषक/मोटे अनाजों का उत्पादन 49.86 मिलियन टन अनुमानित है, जो औसत उत्पादन की तुलना में 3.28 मिलियन टन अधिक है।

वर्ष 2021-22 के दौरान कुल दलहन उत्पादन 26.96 मिलियन टन अनुमानित है, जो विगत पांच वर्षों के 23.82 मिलियन टन औसत उत्पादन की तुलना में 3.14 मिलियन टन अधिक है।

2021-22 के दौरान देश में कुल तिलहन उत्पादन 37.15 मिलियन टन अनुमानित है, जो वर्ष 2020-21 के दौरान 35.95 मिलियन टन उत्पादन की तुलना में 1.20 मिलियन टन अधिक है। इसके अलावा, वर्ष 2021-22 के दौरान तिलहनों का उत्पादन औसत तिलहन उत्पादन की तुलना में 4.46 मिलियन टन अधिक है।

वर्ष 2021-22 के दौरान देश में गन्ना का उत्पादन 414.04 मिलियन टन अनुमानित है, जो 373.46 मिलियन टन औसत गन्ना उत्पादन की तुलना में 40.59 मिलियन टन अधिक है।

कपास का उत्पादन 34.06 मिलियन गांठें (प्रति 170 कि.ग्रा.) अनुमानित है, जो 32.95 मिलियन गांठें औसत उत्पादन की तुलना में 1.12 मिलियन गांठें अधिक है। पटसन व मेस्ता का उत्पादन 9.57 मिलियन गांठें (प्रति 180 कि.ग्रा.) अनुमानित हैं। ■

कच्चे पाम तेल के लिए कृषि उपकर 7.5 प्रतिशत से घटकर 5 प्रतिशत हुआ

देश में उपभोक्ताओं को अधिक राहत प्रदान करने तथा वैश्विक स्तर पर खाद्य तेलों के दामों में होने वाली बढ़ोत्तरी के कारण घरेलू खाद्य तेलों की कीमतों में और वृद्धि को रोकने हेतु भारत सरकार ने 12 फरवरी, 2022 से कच्चे पाम तेल (सीपीओ) पर कृषि उपकर को 7.5 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया। कृषि उपकर में कमी के बाद से कच्चे पाम तेल और रिफाइंड पाम ऑयल के बीच आयात कर अंतर बढ़कर 8.25 प्रतिशत हो गया है।

कच्चे पाम तेल और रिफाइंड पाम ऑयल के बीच अंतर बढ़ने से घरेलू रिफाइनिंग उद्योग को रिफाइनिंग के लिए कच्चे तेल का आयात करने में लाभ होगा।

केन्द्र सरकार की उपलब्धियां

भारत और संयुक्त अरब अमीरात से ऐतिहासिक व्यापार समझौता

भारत-संयुक्त अरब अमीरात व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते से पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार 100 बिलियन डॉलर तक बढ़ने और दोनों देशों में रोजगार के बड़े अवसर पैदा होने की संभावना है

गत 18 फरवरी 2022 को अबू धाबी के क्राउन प्रिंस और संयुक्त अरब अमीरात के सशस्त्र बलों के उप सर्वोच्च कमांडर और कार्यकारी परिषद् के अध्यक्ष शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान और भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एक वर्चुअल बैठक में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक और मैत्रीपूर्ण संबंधों के अपने भविष्य के दृष्टिकोण को ऐसे समय में सामने रखा, जब भारत आजादी का अमृत महोत्सव के रूप में 75 साल की आजादी का उत्सव मना रहा है और संयुक्त अरब अमीरात अपनी स्थापना की 50वीं वर्षगांठ मना रहा है।
दोनों नेताओं ने दोनों देशों के वाणिज्य एवं उद्योग/वित्त मंत्रियों द्वारा भारत–संयुक्त अरब अमीरात व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (भारत–संयुक्त अरब अमीरात सीईपीए) पर हस्ताक्षर होते देखा। भारत–संयुक्त अरब अमीरात सीईपीए, संयुक्त अरब अमीरात द्वारा संपन्न पहला द्विपक्षीय व्यापार समझौता है और यह एमईएनए क्षेत्र में भारत का पहला द्विपक्षीय व्यापार समझौता भी है।
सीईपीए महामारी के दौरान द्विपक्षीय संबंधों में एक महतवपूर्ण पहल है और एक प्रमुख व्यापार समझौता है, जो दोनों देशों के बीच रणनीतिक सहयोग के एक नए युग की शुरूआत करेगा। इससे द्विपक्षीय आर्थिक और निवेश संबंधों में सुधार होगा, अफ्रीका और एशिया के बीच व्यापार के रूट खुलेंगे, वैश्विक व्यापार उदारीकरण को बढ़ावा मिलेगा और कोविड के बाद के विश्व में आर्थिक विकास की गति तेज होगी।
शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने कहा कि भारत हमारे सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारों में से एक और और यह समझौता हमें पहले से कहीं ज्यादा करीब लाता है। आज हमारे प्रधानमंत्री श्री मोदी के साथ जो समझौता किया है, वह न केवल एक करीबी मित्र के साथ हमारे आर्थिक और व्यापारिक संबंधों को मजबूत करता है, बल्कि हमारे लिए वैश्विक सहयोग के एक नए चरण का द्वार खोलता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि मैं आज दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर होने से खुश हूं। यह ध्यान देने योग्य बात है कि इस तरह का एक महत्वपूर्ण समझौता 3 महीने से भी कम के रिकॉर्ड समय में संपन्न हुआ है। सामान्यतौर पर ऐसे समझौतों के लिए सालों–साल का समय लगता है। यह समझौता दोनों देशों के बीच गहरी मित्रता, साझे दृष्टिकोण और विश्वास को दर्शाता है। मुझे विश्वास है कि यह हमारे द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों में एक नए युग की शुरूआत करेगा और आने वाले 5 वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार 60 बिलियान अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर को जाएगा।
गौरतलब है कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच द्विपक्षीय व्यापार, निवेश और ऊर्जा संबंध मजबूत बने हुए हैं। सीईपीए पर हस्ताक्षर लंबे समय से चले आ रहे द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों का प्रमाण है। दोनों पक्ष हरित हाइड्रोजन जैसे नवीकरणीय ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन पर नियंत्रण के उपाय, स्टार्ट–अप, स्किलिंग, फिनटेक और हेल्थटेक के नए क्षेत्रों में भी अपने सहयोग को मजबूत कर रहे हैं।
संयुक्त अरब अमीरात भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापार भागीदार है ओर चालु वित्त वर्ष में द्विपक्षीय व्यापार के 60 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक होने की उम्मीद है। भारत गैर–तेल निर्यात के लिए संयुक्त अरब अमीरात के सबसे बड़े व्यापारिक भागीदार के रूप में पहले स्थान पर है, जो वैश्विक स्तर पर संयुक्त अरब अमीरात के कुल गैर–तेल निर्यात का लगभग 14 प्रतिशत साझेदारी करता है।
दरअसल, सीईपीए पांच वर्षों के भीतर द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक तक बढ़ा सकता है। ऐतिहासिक व्यापार समझौते से भविष्य के लिए एक साझे दृष्टिकोण का रोडमैप तैयार होने की उम्मीद है, जिसमें मजबूत, अधिक लचीली अर्थव्यवस्थाओं की परिकल्पना की गई है, जो दोनों देशों के लोगों को स्थायी खुशहाली और कल्याण प्रदान करती है।

वैचारिकी

सिद्धांत और नीतियां

पं. दीनदयाल उपाध्याय

नवीन प्रौद्योगिकी

विज्ञान के मूलभूत सिद्धांत देश-काल निरपेक्ष होते हुए भी उनका प्रयोग कर उपयुक्त उत्पादन पद्धति का विकास, प्रत्येक देश में उपलब्ध उत्पादन के साधन एवं पण तथा वहां की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं भौगोलिक स्थिति सापेक्ष होते हैं। देश की आवश्यकताओं, उपलब्ध प्राकृतिक साधनों, विकसित तथा संभव शक्ति, श्रमिकों को संख्या तथा उनकी शिक्षा, प्रबंध कुशलता और तंत्रपटुता का स्तर एवं संक्रमणशीलता, प्राप्त पूंजी, क्रयशक्ति एवं पण तथा अर्थव्यवस्था के अन्योन्याश्रित अंगों की स्थिति का विचार करके ही हमें उपयुक्त मशीन का निर्धारण एवं निर्माण करना होगा। भारत को पश्चिम की प्रौद्योगिकी का अनुकरण करने के स्थान पर अपने लिए उपयुक्त प्रौद्योगिकी का आविष्कार करना चाहिए।

औद्योगिक विकेंद्रीकरण

भारत का औद्योगीकरण प्रमुखतः यंत्रचालित लघु उद्योगों के आधार पर ही होना चाहिए। ये एकात्म मानव के लिए पोषक हैं। विद्यमान आर्थिक कारण उनके पक्ष में हैं। इन उद्योगों के लिए जो कठिनाइयां थीं, वे विज्ञान की आधुनिकतम प्रगति तथा खोजों के बाद दूर हो गई हैं। इनका कृषि के साथ मेल बिठाया जा सकता है। ये गांवों में स्थापित किए जा सकते हैं, जिससे एक ओर तेजी से होनेवाले नागरीकरण की समस्याओं से बचेंगे तथा दूसरी ओर गांव भी देश की समृद्धि में सहभागी बनेंगे। समाज का शिक्षित एवं युवा यदि गांवों में न रहा तो उनकी स्थिति में सुधार नहीं हो सकता और न राजनीतिक विकेंद्रीकरण के कार्यक्रम सफल हो सकते हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा के विचार से तो विकेंद्रीकरण नितांत आवश्यक है।

छोटे उद्योग श्रम प्रधान होने के कारण बेकारी के निवारण में बहुत सहायक हैं। इनमें पूंजी कम लगती है और इसलिए इनको चलानेवाले साहसियों की संख्या बड़े उद्योगों के मुक़ाबले में बहुत ज्यादा हो सकती है। इस कारण कुल मिलाकर इनके द्वारा अधिक पूंजीकरण होगा। ये विद्यमान उद्योगों के सहारे विकसित हो सकते हैं। अतः प्रौद्योगिकीय विपूंजीकरण तथा बेकारी को बचा सकते हैं। ये उद्योग श्रमिक की मालिकी के आधार पर चलाए जा सकते हैं। यदि दूसरे श्रमिक मजदूरी पर रखने भी पड़ें तो मालिक और मजदूर परस्पर मानवीय संबंध रखकर सहयोग के आधार पर इनका विकास कर सकते हैं। सहकारिता के लिए भी यहां पर्याप्त गुंजाइश है। ये उद्योग आशुफलदायी हैं, अतः बहुत समय तक पूंजी फंसी नहीं रहती।

बैंक, साख, यातायात तथा राज्य के औद्योगिक नीति संबंधी सभी नियम इस प्रकार बने हैं कि उनमें बड़े उद्योग के साथ पक्षपात होता है। फलतः छोटे उद्योग पनप नहीं पाते। फिर भी पिछले वर्षों में आधुनिक उत्पादन के अनेक क्षेत्रों में छोटे उद्योगों ने इतनी अधिक प्रगति की है कि वे बड़े उद्योगों के साथ टक्कर ले सकते हैं। विदेशी उद्योगों के मुकाबले जैसे स्वदेशी उद्योगों को संरक्षण दिया जाता है, उसी प्रकार बड़े उद्योगों के मुक़ाबले छोटे उद्योगों को संरक्षण देने की नीति शासन को अपनानी चाहिए।

क्षेत्र विभाजन

छोटे और बड़े उद्योगों में क्षेत्रों का विभाजन होना चाहिए। सामान्यतः उपभोक्ता वस्तुएं छोटे उद्योगों द्वारा तथा उत्पादक एवं मूलभूत वस्तुओं का उत्पादन बड़े उद्योगों द्वारा होना चाहिए।

ग्रामोद्योग

परंपरागत ग्राम और कुटीर उद्योगों में से अधिकांश आज अनार्थिक हो गए हैं। उन्हें आर्थिक बनाना होगा। बिजली और यंत्र के सहारे उनका आधुनिकीकरण करके उन्हें छोटे उद्योगों की श्रेणी में लाना चाहिए। इन उद्योगों की उत्पादन क्षमता बढ़ाए बिना वे टिक नहीं सकते। शैशव में पोषण के लिए संरक्षण उपयोगी है, किंतु वह स्थायी भाव नहीं बनना चाहिए।

ग्रामीण कारीगर

गांव के कारीगरों का ग्रामीण अर्थव्यवस्था में अत्यंत महत्त्वपूर्ण

स्थान है। अर्थव्यवस्था के आधुनिकीकरण से वे विस्थापित होते जा रहे हैं। नई अर्थव्यवस्था में उनको योग्य स्थान मिल सके, इसका प्रबंध करना होगा।

राष्ट्रीय क्षेत्र

बड़े उद्योग का स्वामित्व विवाद का विषय है। समाजवाद और पूंजीवाद के समर्थक अपने-अपने सिद्धांतों के आधार पर अपने पक्ष का समर्थन करते हैं। भारत की वर्तमान परिस्थिति में, जब विकास और विस्तार के लिए पर्याप्त क्षेत्र पड़ा हो तथा राज्य एवं निजी दोनों ही क्षेत्रों की शक्तियां अधूरी सिद्ध हो रही हों, यह विवाद बेमानी है। हमें एक राष्ट्रीय क्षेत्र की कल्पना रखकर प्रत्येक को अपनी शक्ति और क्षमता के अनुसार काम करने का मौका देना चाहिए।

भारत में मिश्रित अर्थव्यवस्था आवश्यक है। उसमें निजी और सार्वजनिक क्षेत्र दोनों ही महत्त्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। दोनों क्षेत्रों में सहयोग और पूरकता का भाव रखना चाहिए। सार्वजनिक उद्योगों में 49 प्रतिशत तक पूंजी जनता के अंशदान के लिए खुली रखी जा सकती है।

सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के इस विवाद में जनक्षेत्र की उपेक्षा हो रही है। वास्तव में तो यही क्षेत्र सबसे बड़ा, महत्त्वपूर्ण और शक्तिशाली होना चाहिए। हमारी नीति होनी चाहिए कि जनता जहां चाहे वहां, पूंजीपति जहां चाहिए वहां, और सरकार जहां न संभव हो सके वहां।

सार्वजनिक क्षेत्र

अविकसित क्षेत्र में ऐसी अनेक परिस्थितियां हैं, जहां निजी क्षेत्र या तो प्रवेश की हिम्मत ही नहीं करता अथवा राजनीतिक एवं सामाजिक लक्ष्यों के हित में राज्य को ही उन क्षेत्रों में जाना आवश्यक होता है। निम्नलिखित विशेष उल्लेखनीय हैं—

1. आधारभूत एवं सार्वजनिक सेवा उद्योग इतने पूंजीप्रधान एवं लंबे समय बाद फलदायी हैं कि बिना राज्य के उस क्षेत्र में प्रवेश किए वे स्थापित ही नहीं हो पाएंगे। अतः राज्य को उन उद्योगों की स्थापना करनी चाहिए।
2. जहां विदेशी पूंजी राजकीय स्तर पर उपलब्ध हो, राज्य को ही उस उद्योग का दायित्व संभालना आवश्यक होगा।
3. निजी क्षेत्र के सम्मुख एक आदर्श प्रस्तुत करने तथा उसकी पूरकता के लिए भी राज्य को कुछ क्षेत्रों में आना आवश्यक हो सकता है। ये आंशिक रूप से सार्वजनिक क्षेत्र रहेंगे। खाद्यान्न का व्यापार, बैंक, बीमा, यातायात, विदेशी व्यापार इस क्षेत्र में आते हैं।

यदि किसी कारणवश निजी क्षेत्र में चलनेवाले किसी उद्योग के राष्ट्रीयकरण की आवश्यकता अनुभव हो तो यह प्रश्न एक न्यायिक आयोग को सुपुर्द किया जाए तथा उसकी सिफारिशों के अनुसार ही राष्ट्रीयकरण की दिशा में क़दम उठाए जाएं। सार्वजनिक उद्योगों का प्रबंध स्वायत्त निगमों द्वारा ही होना चाहिए तथा उन पर वे सभी नियम लागू हों, जो निजी क्षेत्र पर लागू होते हैं।

एकाधिपत्य पर रोक

राज्य का कर्तव्य है कि वह आर्थिक कारणों से होनेवाले एकीकरण तथा एकाधिकार को रोके ।

पूर्ण रोज़गार

प्रत्येक समर्थ और स्वस्थ व्यक्ति के जीविकोपार्जन की व्यवस्था करना आर्थिक नियोजन एवं औद्योगिक नीति का लक्ष्य होना चाहिए। बेकारी को दूर करने के लिए रोजगार के नए अवसरों निर्माण के साथ-साथ अर्ध रोजगार वालों की उत्पादकता एवं आय बढ़ाने की ओर विशेष ध्यान देना चाहिए। बढ़ी हुई क्रयशक्ति से वे दूसरों को काम दे सकेंगे। रोजगार संबंधी कार्यक्रमों के निर्धारण, श्रमिकों की संख्या, तज्ञता, उत्पादकता, काम और बेकारी की प्रकृति और व्याप्ति, संक्रमणशीलता आदि सभी प्रश्नों पर विचार करना होगा।

प्रत्येक समर्थ और स्वस्थ व्यक्ति के जीविकोपार्जन की व्यवस्था करना आर्थिक नियोजन एवं औद्योगिक नीति का लक्ष्य होना चाहिए। बेकारी को दूर करने के लिए रोजगार के नए अवसरों निर्माण के साथ-साथ अर्ध रोजगार वालों की उत्पादकता एवं आय बढ़ाने की ओर विशेष ध्यान देना चाहिए। बढ़ी हुई क्रयशक्ति से वे दूसरों को काम दे सकेंगे

काम न मिलने की अवस्था में जीवनयापन के लिए बेकारी-भत्ते की व्यवस्था होनी चाहिए।

वैज्ञानिकीकरण

अर्धबेकारी को दूर करने तथा उत्पादकता बढ़ाने के लिए वैज्ञानिकीकरण (Rationalisation) आवश्यक है। किंतु भारत में वैज्ञानिकीकरण मुख्यतः आयात प्रधान होने के कारण सहज नहीं। साथ ही उद्योग के आवश्यक विस्तार के अभाव में कई बार वैज्ञानिकीकरण के कारण छंटे हुए मजदूरों की दूसरी जगह खपत संभव नहीं होती। नई मशीन से अर्थव्यवस्था में तभी गति प्राप्त हो सकती है जब (1) बढ़ी हुई उत्पादकता से प्राप्त आय का श्रमिकों और पूंजी लगानेवालों में वितरण हो; (2) इस आय का कुछ-न-कुछ अंश वित्त संचय तथा उपभोग दोनों के काम आए: (3) देश में पूंजी निर्माण की गति इतनी हो कि नई मशीनों के ख़रीदने में व्यय करने के बाद भी वह इतनी बची रहे कि केवल छंटनी किए हुए मजदूरों को ही नहीं, अन्यों को भी काम देने के लिए उद्योग-धंधे प्रारंभ किए जा सकें। सभी पहलुओं पर विचार कर नियोजकों को इस संबंध में कार्यक्रम बनाने चाहिए। ■

भारतीय जनता पार्टी उ0प्र0

पत्रिका पंजीकरण – RNI-51899/91 डाक पंजीकरण – SSP/LW/NP-117-2021-23
मार्च प्रथम, जन आर्शीवाद अंक 2022 – प्रेषित डाकघर – R.M.S. चारबाग, लखनऊ – प्रेषण तिथि : 11–13 (प्रथम पाक्षिक)

भारतीय जनता पार्टी के लिए मुद्रक तथा प्रकाशक प्रो. श्यामनन्दन सिंह द्वारा नूतन ऑफसेट मुद्रण केन्द्र, संस्कृति भवन, राजेन्द्र नगर, लखनऊ से मुद्रित व भाजपा कार्यालय, 7, विधानसभा मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक : अरूण कान्त त्रिपाठी